• वर्ष -15 • अंक-18 • प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित • अनूपपुर 4 से 10 मई 2023 • मूल्य 2.00 • पृष्ठ 8 Epaper-www.fatwasamachar.com

डाक पंजी- SDL-0019/2025 RNI-MPHIN/2008/24599

फ़तवा

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार पत्र आपका विश्वास

सुविचार

सलाह के सौ शब्दों से ज्यादा अनुभव की एक ठोकर इंसान को बहुत मजबूत बनाती है।

पेज-2

पेज-3

पेज-5

पेज-8

लाड़ली लक्ष्मी बेटियों के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पर उनकी फीस राज्य सरकार भरेगी : मुख्यमंत्री

बेटियों की मुस्कान का उत्सव बना लाड़ली लक्ष्मी दिवस

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को ₹हाँ मैं भी लाड़ली हूँ₹ की टेगलाईन देते हुए कहा कि लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का मेडिकल, आई.आई.टी., आईआईएम, विधि संस्थानों और अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश होने पर उनकी फीस राज्य सरकार द्वारा भरी जाएगी। लाड़ली लक्ष्मी बेटियों के लिए प्रदेश में 9 से 15 मई की अवधि में शहर और पंचायतों में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसमें 9 मई को खेल प्रतियोगिताएँ, 10 मई को लाड़ली लक्ष्मी फ्रेंडली पंचायतों को पुरस्कार वितरण, 11 मई को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता पर कार्यक्रम, 12 मई को स्वास्थ्य परीक्षण, नृत्य एवं गीत प्रतियोगिता, 13 मई को पुलिस थाना सहित शासकीय कार्यालयों का भ्रमण, 14 मई को ई-केवायसी के लिए अभियान और चित्रकला प्रतियोगिता तथा 15 मई को क्षेत्रीय पर्यटन स्थलों एवं अन्य अभिरूचि के स्थानों के भ्रमण का कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री चौहान लाड़ली लक्ष्मी दिवस पर मुख्यमंत्री निवास परिसर में बेटियों के सम्मान, मार्गदर्शन और संवाद पर केन्द्रित राज्य स्तरीय लाड़ली लक्ष्मी उत्सव को संबोधित कर रहे थे। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर, विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, महापौर श्रीमती मालती राय, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रामकुंवर सहित बड़ी संख्या में योजना की हितग्राही लाड़ली लक्ष्मी बेटियाँ एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पधारी लाड़ली लक्ष्मियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। दीप प्रज्ज्वलन और कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मध्यप्रदेश गान और लाड़ली लक्ष्मी गीत के साथ आरंभ हुए कार्यक्रम में लाड़ली बेटी अवनि देशमुख ने स्वागत उद्बोधन दिया। बेटी चेतना साहू द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना और बेटी तनिष्का अरोरा द्वारा गाए गीत के बाद लाड़ली बेटियों ने समूह घूमर नृत्य, एकल नृत्य, लाड़ली लक्ष्मी योजना के प्रभाव पर नृत्य-नाटिका और आत्म-रक्षा के लिए मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को दी 'हाँ मैं भी लाड़ली हूँ' की टेगलाईन

लाड़ली लक्ष्मी बेटियों के लिए 9 से 15 मई तक प्रदेश में चलेगा विशेष अभियान

योजना से बेटियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण बदला

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना को 16 साल पूर्ण हो रहे हैं। प्रदेश में 44 लाख 85 हजार से अधिक लखपति लाड़लियों का परिवार बन गया, यह प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। बेटियों के प्रति समाज का दृष्टिकोण बदला है। सभी क्षेत्रों में बेटियाँ अपनी प्रतिभा का परिचय दे रही हैं। बेटियों के प्रति दोयम दर्जे का व्यवहार न हो, बेटा-बेटी को समान माना जाए, इसी उद्देश्य से 16 साल पहले लाड़ली लक्ष्मी योजना आरंभ की गई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज एवं परिवारों में बेटी को बोझ मानने के दृष्टिकोण से बहुत पीड़ा और वेदना होती थी।

कार्यक्रम में यह खास

- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुए लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का संचालन कक्षा 10वीं की बालिका सृष्टि मालवीय तथा रिमझिम त्रिपाठी ने किया।
- संचालनकर्ता लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के सम्मान में स्वरचित कविता ₹ मामा को देखते ही चेहरे पर हँसी आ जाती है- यदि उदास भी हो मन तो खुशी खिल जाती है₹ और 'बड़ी प्यारी लगती है तेरे चहरे की मुस्कान- प्यारी भांजियां हैं, मामा की जान-मामा की जान' पढ़ी।
- कक्षा 12वीं की बेटी अवनि देशमुख ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से बालिकाओं का विश्वास बढ़ा है और राज्य शासन द्वारा की गई विभिन्न व्यवस्थाओं से स्वयं पर गर्व का अनुभव होता है।
- कार्यक्रम में जवाहर बाल भवन की बालिकाओं द्वारा मध्यप्रदेश गान और लाड़ली गान -'छूना है हमें आसमां' की प्रस्तुति दी। बालिका वैष्णवी, ऋषिका, किरण और सुहानी ने समूह घूमर नृत्य प्रस्तुत किया।
- नादयोग गुरुकुल दल इंदौर द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका में लाड़ली लक्ष्मी योजना के समाज पर प्रभाव और बेटी के प्रति बदले दृष्टिकोण को सुरुचिपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया गया।

रैपिड न्यूज

दूल्हा-दुल्हन को गिफ्ट में मिले 750 स्क्वेयर फीट के प्लॉट

बैतूल। बैतूल में हुआ एक सामूहिक विवाह समारोह पूरे मध्यप्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। इसमें 63 आदिवासी जोड़े विवाह बंधन में बंधे। खास बात यह रही कि दूल्हा-दुल्हन को अपना आशियाना बनाने के लिए बतौर उपहार 750 वर्गफीट का प्लॉट दिए गए। ये जमीन गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष हेमंत सरेयाम के स्वामित्व की थी। दरअसल, अखिल गोंडवाना महासभा के बैनर तले मंगलवार को बैतूल के हमलापुर में गोंडवाना विवाह और भूदान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके लिए 100 से ज्यादा जोड़ों का पंजीयन कराया गया था। परिणय सूत्र में बंधने के बाद हर वधु को कन्यादान में गौठाना क्षेत्र में 25७30= 750 वर्गफीट आवास के लिए भूखंड का दानपत्र दिया गया। दोपहर 12 बजे पड़ापेन और मुठवा पूजन से इस विवाह समारोह की शुरूआत हुई। दोपहर 12.30 बजे से आंगापेन दर्शन हुआ। 2 बजे शादी की रस्में शुरू हुईं। इनके पूरे होने के बाद करीब 3 बजे से विवाहित जोड़ों को भू-दान पत्र बांटे गए। समारोह में आस-पास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। गोंडवाना विवाह और भूदान सम्मेलन में नवविवाहित जोड़ों को प्रमाणित दानपत्र सौंपे गए। इसके लिए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष हेमंत सरेयाम ने मौजा मरामझीरी में खसरा नंबर 11/2 रकबा 0.809 हेक्टेयर में से जमीन दान की है। दानपत्र के साथ जमीन का ले आउट भी लगाया गया है। हालांकि, पंजीयन शुल्क समेत नामांतरण के लिए खर्च का भार दंपती को उठाना होगा।

डॉक्टर्स-सरकार के बीच नहीं बनी सहमतिः हड़ताल पर जाएंगे डॉक्टर्स

भोपाल। मध्यप्रदेश में बुधवार से डॉक्टर हड़ताल पर जाने वाले हैं। इससे पहले, हड़ताल को रोकने के लिए मंगलवार रात चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी और चिकित्सक संगठनों के बीच बैठक बेनतीजा रही। करीब एक घंटे चली बैठक में दोनों के बीच सहमति नहीं बन पाई। इसके बाद सरकार ने भी हड़ताल से निपटने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। सरकार ने प्राइवेट अस्पताल से स्टाफ के बारे में जानकारी मांगी है। भोपाल में जीएमसी डीन ने 100 डॉक्टर मांगे हैं। मंगलवार रात चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के आवास पर बैठक हुई। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, चिकित्सक संगठन के पदाधिकारी और गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा मौजूद रहे। करीब एक घंटे चली बैठक में भी कोई सहमति नहीं बन पाई। डॉक्टरों ने मंत्रियों को साफ कहा कि केन्द्र के समान डीएसीपी लागू कराने की मांग पहली है। यदि इस पर सरकार निर्णय नहीं लेती है, तो हड़ताल वापस नहीं ली जाएगी। मंत्री ने कहा कि कमेटी से एक-दो मीटिंग और कर लेते हैं, इसके बाद फैसला लेंगे। इस पर डॉक्टरों ने कहा कि बैठक करते-करते तो चुनाव की आचार संहिता लग जाएगी। यह कहकर डॉक्टर बाहर निकल आए। सरकार का दावा- मांगें मानीं, डॉक्टर बोले- ऐसा नहीं है बैठक के बाद चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने दावा किया कि डॉक्टरों की 95% मांगें मान ली गई हैं। बातचीत के दौरान डॉक्टरों ने अपनी बात रखी, जिस पर हमने सहमति जताई। वहीं, मध्यप्रदेश शासकीय स्वशासी चिकित्सक महासंघ के संयोजक डॉ. राकेश मालवीय ने बताया कि सरकार ने डॉक्टरों की मांगें नहीं मानी हैं।

भोपाल समेत प्रदेश के अधिकांश शहरों में बारिश का दौर जारी, ओले भी गिरे

भोपाल। मध्यप्रदेश में बेमौसम बारिश का दौर मंगलवार को भी जारी रहा। राजधानी भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, छिंदवाड़ा, रीवा और मुरैना समेत प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हुई। जबलपुर के साथ ही रीवा के सिरमौर क्षेत्र में ओले भी गिरे। मौसम विभाग का कहना है कि वर्तमान में अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से प्रदेश के अधिकतर शहरों में बादल छाए हुए हैं, साथ ही गरज-चमक के साथ वर्षा हो रही है।

भोपाल में मंगलवार को दिनभर बादल छाए रहे और शाम करीब 5:30 बजे तेज हवाओं के साथ अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई। उज्जैन में भी मौसम का हाल कुछ ऐसा ही रहा। यहां भी शाम को बारिश होने लगी। इंदौर में दो दिन बाद मंगलवार शाम को तेज बारिश शुरू हो गई। जिसके बाद सड़कों पर जाम की स्थिति बनी गई। हालांकि सुबह से ही मौसम साफ था, लेकिन शाम को अचानक मौसम बदल गया। रीवा जिले के सिरमौर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बाद मौसम बदल गया। यहां दिनभर बादल छाए रहे। शाम करीब 4 बजे अचानक तेज हवाएं चलने लगी। इसके बाद बारिश होने लगी। इस दौरान चने के आकार के ओले भी गिरे। तेज हवाओं के कारण कहीं पेड़ गिरे, तो कहीं छप्पर उड़ गए। वहीं, रीवा शहर में भी रिमझिम बारिश हुई। मंगलवार को सिवनी में एक इंच के करीब बारिश हुई। जबलपुर में 19 मिमी और उमरिया में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई। ग्वालियर, पचमढ़ी, मंडला, खजुराहो और सागर में भी हल्की बारिश हुई। जबलपुर में भी बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक अभी तीन चार-चार दिन तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रहने की संभावना है। हालांकि वर्षा की गतिविधियों में कुछ कमी आएगी। साथ ही दिन के तापमान में कुछ बढ़ोतरी भी होगी। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से हवाओं के साथ लगातार नमी आ रही है। इस वजह से पूरे मध्य प्रदेश में बादल बने हुए हैं। साथ ही गरज-चमक के साथ वर्षा हो रही है। रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला अभी दो-तीन दिन तक बना रह सकता है। हालांकि सुबह के समय बादल छंटने के कारण कहीं-कहीं धूप भी निकल रही है। इस वजह से दिन के तापमान में बढ़ोतरी भी होगी। मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल संभाग में ओले गिरने की संभावना जताई है।

इस्तीफे की वजह नहीं बताई

82 साल के शरद पवार ने NCP अध्यक्ष पद छोड़ा

मुंबई। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने 17 अप्रैल को कहा था कि 15 दिन में महाराष्ट्र की राजनीति में दो बड़े विस्फोट होंगे। बयान के ठीक 16वें दिन यानी 2 मई को 12:45 बजे 82 साल के शरद पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान कर दिया। पवार ने कहा कि वो इस्तीफा देने जा रहे हैं। उन्होंने इसकी वजह नहीं बताई है। शरद पवार ने इस्तीफे में लिखा, 'मेरे साथियों! मैं NCP के प्रेसिडेंट का पद छोड़ रहा हूं, लेकिन सामाजिक जीवन से रिटायर नहीं हो रहा हूं। लगातार यात्रा मेरी जिंदगी का अटूट हिस्सा बन गया है। मैं पब्लिक मीटिंग और कार्यक्रमों में शामिल होता रहूंगा। मैं पुणे, बारामती, मुंबई, दिल्ली या भारत के किसी भी हिस्से में रहूं, आप लोगों के लिए हमेशा की तरह उपलब्ध रहूंगा। लोगों की समस्याएं सुलझाने के लिए मैं हर वक्त काम करता रहूंगा। लोगों का प्यार और भरोसा मेरी सांसें हैं। जनता से मेरा कोई अलगाव नहीं हो रहा है। मैं आपके साथ था और आपके साथ आखिरी सांस तक रहूंगा। तो हम लोग मिलते रहेंगे। शुक्रिया।' शरद पवार मुंबई के वाईबी चव्हाण सेंटर में मंगलवार को अपनी पॉलिटिकल बायोग्राफी 'लोक भूलभुलैया संगति' का विमोचन कर रहे थे।

'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर मानहानि का मामला

राहुल गांधी को अंतरिम राहत देने से हाईकोर्ट का इंकार

कोर्ट ने कहा- गर्मी की छुट्टी के बाद सुनाएंगे अंतिम फैसला

गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को उनकी 'मोदी उपनाम' टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में दोषसिद्धि पर रोक लगाने की उनकी याचिका पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। सूरत की एक अदालत के उनकी सजा पर रोक लगाने से इनकार करने को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई के दूसरे दिन जस्टिस हेमंत प्रच्छक की अदालत ने कहा कि अब इस मामले पर गर्मी की छुट्टी के बाद ही फैसला सुनाया जाएगा। हाईकोर्ट 8 मई से 4 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद रहेगा। जस्टिस प्रच्छक देश से बाहर यात्रा पर रहने की वजह से 4 मई से ही छुट्टी पर रहेंगे। राहुल गांधी के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कोर्ट से अंतरिम राहत देने का अनुरोध किया था। जस्टिस प्रच्छक ने कहा कि वह अंतिम आदेश सुनाने से पहले सूरत मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष हुए मुकदमे की कार्यवाही के पूरी रिकॉर्ड का देखना चाहते हैं। इस बीच, शिकायतकर्ता पूर्णेश मोदी के वकील ने मंगलवार को तर्क दिया कि अदालत कक्ष में कांग्रेस नेता का रुख सार्वजनिक रूप से अलग है। 23 मार्च को सूरत की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने राहुल गांधी को 2019 में कर्नाटक के कोलार में एक चुनावी रैली के दौरान की गई इस टिप्पणी 'सभी चोरों का नाम मोदी क्यों होता है' पर पूर्णेश मोदी की आपराधिक मानहानि की शिकायत की थी।

दिल्ली ने गुजरात को पहली बार हराया

अहमदाबाद। दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस पर पहली जीत हासिल की है। टीम ने मौजूदा सीजन के 44वें मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात को 5 रन से हराया। यह दोनों के बीच का ओवरऑल तीसरा मुकाबला था। पिछले दो मुकाबले गुजरात ने जीते हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 130 रन बनाए। जवाब में गुजरात के बल्लेबाज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 125 रन ही बना सके। मोहम्मद शमी मैन ऑफ द मैच रहे। उन्होंने 4 विकेट चटकाए, लेकिन अपनी टीम को नहीं जिता सके।

बदहाली

दो दिन के लिए फ्लाइट सस्पेंड की, DGCA ने एयरलाइन से 24 घंटे में जवाब मांगा

तंगी से जूझ रही एयरलाइन गो फर्स्ट हो सकती है दिवालिया

नई दिल्ली। कैश की तंगी से जूझ रही एयरलाइन गो फर्स्ट दिवालिया हो सकती है। उसने अगले 2 दिन यानी 3 और 4 मई के लिए फ्लाइट सस्पेंड कर दी है। तेल कंपनियों के बकाए का भुगतान नहीं कर पाने के चलते एयरलाइंस ने ये फैसला किया है। गो फर्स्ट कैश एंड कैरी मोड में अपनी फ्लाइट ऑपरेट करती है। यानी एयरलाइंस को हर दिन के हिसाब से जितनी उड़ान भरनी है उसके मुताबिक फ्यूल के लिए पेमेंट करना पड़ता है। गो फर्स्ट एयरलाइन के इस फैसले के बाद उड्डयन ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है और 24 घंटे के भीतर एयरलाइंस जवाब मांगा है। वहीं एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि सरकार हर संभव तरीके से एयरलाइन की मदद कर रही है और स्टेकहोल्डर्स से भी बात की है। एयरलाइन ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल दिल्ली के पास स्वैच्छिक दिवाला समाधान कार्यवाही के लिए एक आवेदन भी दायर किया है। एयरलाइन चीफ कौशिक खोना ने कहा- इंजनों की सप्लाई नहीं होने के कारण एयरलाइन ने 28 विमानों को ग्राउंडेड कर दिया। इससे फंड की किल्लत हो गई और दिवाला कार्यवाही के लिए जाना पड़ा। ये एक दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है, लेकिन कंपनी के हितों की रक्षा के लिए ऐसा करना जरूरी है। एयरलाइन ने इस घटनाक्रम के बारे में सरकार को सूचित कर दिया है और वह डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन को एक डिटेल्ड रिपोर्ट भी सौंपेगी।

एयरलाइन ने अमेरिका की कोर्ट में याचिका लगाई

इंडियन एविएशन रेगुलेटर के आंकड़ों से पता चलता है कि फ्लाइट के ग्राउंडेड होने के कारण मार्च में गो फर्स्ट की बाजार हिस्सेदारी जनवरी में 8.4% से गिरकर 6.9% हो गई है। एयरलाइन ने इसे लेकर अमेरिका की डेलावेयर कोर्ट में पिटीशन भी दाखिल की है। एयरलाइन ने दावा किया है कि अगर इंजनों की जल्द सप्लाई नहीं की गई तो वह दिवालिया हो जाएगी।

संपादकीय

अपराध का दायरा

कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आक्रामकता कहां से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपराधों की हद तक चली जाती है। यह कल्पना भी दहला देती है कि बारह-तेरह साल के बच्चे अब इस मानसिक अवस्था में जीने लगे हैं कि एक बेहद मामूली बात पर बेलगाम होकर उनमें से कोई अपने ही किसी सहपाठी की ही हत्या कर दे। दिल्ली के बदरपुर इलाके में स्थित एक स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले एक छात्र ने सिर्फ संयोगवश अपने दो सहपाठियों को सिगरेट पीते देख लिया और इसकी शिकायत कर देने की बात कह दी। यह एक ऐसी बात है, जिसे आम सामाजिक जीवन में बिल्कुल सामान्य गतिविधि के तौर पर देखा और लिया जाता रहा है। लेकिन सिर्फ इतने भर के लिए सिगरेट पीने वाले दोनों छात्रों के भीतर ऐसी प्रतिक्रिया पैदा हुई कि वे पहले अपने सहपाठी को बहला-फुसला कर सुनसान जगह पर ले गए, वहां उसकी पत्थरों से मार कर हत्या कर दी और शव को एक नाले में फेंक दिया। इस अपराध की प्रकृति को देखा जाए तो एकबारगी यह पेशेवर अपराधियों की हरकत लगती है, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से अपराध को अंजाम देने और बचने की कोशिश की जाती है। इस घटना में बेहद त्रासद और दुखद यह है कि दो ऐसे बच्चे हत्या के आरोपी हैं, जो अभी महज करीब बारह साल के हैं। जाहिर है, कानून की कसौटी पर इसमें बच्चों को नाबालिग आरोपी मान कर बरता जाएगा और उसी मुताबिक निर्धारित सजा भी तय होगी। लेकिन इस मामले को सिर्फ एक सामान्य अपराध मानने के बजाय इसकी जटिलताओं पर गौर करने की जरूरत है। समाज से लेकर सरकार को इस पर चिंतित होना चाहिए कि सार्वजनिक जीवन में कहां और क्या ऐसी चूक हो रही है कि जिस उम्र में बच्चों को सद्भाव का प्रतीक होना चाहिए, पढ़ाई में दिलचस्पी लेनी चाहिए, मामूली बातों पर थोडा झगड़ने के बाद फिर साथ मिल कर खेलना-कूदना और दोस्ती करना चाहिए, प्यार का संदेश बनना चाहिए, उस उम्र में सिगरेट जैसी लत का शिकार होने से आगे वे असंतुलित मनःस्थिति में चले जा रहे हैं। सवाल है कि इतनी कम उम्र में बच्चों के भीतर ऐसी विकृति और आक्रामकता कहां से आ रही है, जो कई बार जघन्य अपराधों की हद तक चली जाती है। क्या यह शिक्षा और पालन-पोषण में जरूरी तकाजों का खयाल नहीं रखने का नतीजा है? या फिर यह ऐसे माहौल की देन है जो बिना शोर के हमारे आसपास बन रहा है और या तो हम उस पर ध्यान नहीं दे पाते या फिर उसे अपनी सुविधा के तौर पर देखते हैं? दरअसल, पढ़ाई-लिखाई की निर्धारित दिनचर्या के अलावा बच्चों की जिंदगी में कैसी व्यस्तताएं बन रही हैं, उस पर नजर रखना अब न अभिभावकों को जरूरी लगता है, न एक समस्या बन रहे इस पहलू पर स्कूल में या कहीं भी बच्चों को प्रशिक्षित किए जाने की व्यवस्था है। इंटरनेट से लैस स्मार्टफोन सहित अपने सामने की तकनीकी दुनिया की तमाम गतिविधियां अब बच्चों की जिंदगी में देखने-सुनने और कई बार उसमें शामिल होने का हिस्सा बन रही हैं । मुश्किल यह है कि किशोर उम्र में जिन बातों से उपजे भ्रम को संवेदनशीलता के साथ दूर करके उन्हें जरूरी बातें बताने की जरूरत होती है, वे बातें बच्चे अब अलग तरह से सुनते और समझते हैं। नतीजतन, उनके भीतर मनोवैज्ञानिक स्तर पर जिस तरह का विभ्रम, ऊहापोह और उथल-पुथल मचता है, वह उनके सोचने-समझने के सलीके को भी बुरी तरह प्रभावित करता है। बहुत मामूली बातों पर हुए झगड़े के बीच बेलगाम आक्रामकता में कई बार यह भी पता नहीं चल पाता कि वे जो करने जा रहे हैं, वह गंभीर अपराध है और इस वजह से उनकी बाकी जिंदगी भी बुरी तरह प्रभावित हो सकती है।

तीर्थ नगरों का विश्वस्तरीय विकास

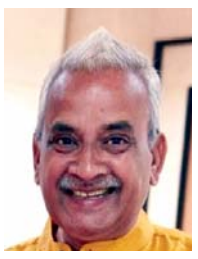

लेखक
डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

छह वर्ष पहले सरकार ने मथुरा वृंदावन नगर निगम और फिर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन ने समग्र विकास की कार्ययोजना को बढ़ाने का कार्य किया। आज यहां बत्तीस हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं, जिस दिन ये योजनाएं धरातल पर उतर जाएंगी, उस दिन यहां द्वापर युग की भव्यता और दिव्यता दिखाई देगी। जवाहरबाग कभी गुंडागर्दी का अड्डा बना हुआ था। आज स्थिति सबके सामने है। पहले कोसी कला में दंगा होता था। आज यहां पेप्सिको का प्लांट लग चुका है। जिस मथुरा-वृंदावन में कभी मांस-मदिरा की बिक्री होती थी, उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। चौरासी कोसी परिक्रमा केवल अयोध्या में ही नहीं ब्रज में भी होने जा रही है। नगर निगम बनने के बाद अब मथुरा के नवनिर्माण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। जैसे काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया। ऐसे ही बांके बिहारी के धाम का कार्य आगे बढ़ना चाहिए। विकास के लिए विजन और योग्य नेतृत्व चाहिए।

नरेन्द्र मोदी सरकार ने तीर्थाटन व पर्यटन पर अत्यधिक जोर दिया। इस विषय को प्राथमिकता में शामिल किया। अनेक सर्किट का निर्माण चल रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठा रहे हैं। नगर निकाय चुनाव के तीसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल में तीन रैलियां कर भाजपा के पक्ष में वोट मांगा। मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन, फिरोजाबाद व आगरा में भाजपा की शहर की सरकार बनाने का आह्वान किया। वर्तमान सरकार ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम व ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन से विकास को गति दी। छह वर्ष पहले सरकार ने मथुरा वृंदावन नगर निगम और फिर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन ने समग्र विकास की कार्ययोजना को बढ़ाने का कार्य किया। आज यहां बत्तीस हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं, जिस दिन ये योजनाएं धरातल पर उतर जाएंगी, उस दिन यहां द्वापर युग की भव्यता और दिव्यता दिखाई देगी। जवाहरबाग कभी गुंडागर्दी का अड्डा बना हुआ था। आज स्थिति सबके सामने है। पहले कोसी कला में दंगा होता था। आज यहां पेप्सिको का प्लांट लग चुका है। जिस मथुरा-वृंदावन में कभी मांस-मदिरा की बिक्री होती थी, उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। चौरासी कोसी परिक्रमा केवल अयोध्या में ही नहीं ब्रज में भी होने जा रही है। नगर निगम बनने के बाद अब मथुरा के नवनिर्माण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। जैसे काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया। ऐसे ही बांके बिहारी के धाम का कार्य आगे बढ़ना चाहिए। विकास के लिए विजन और योग्य नेतृत्व चाहिए। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को मौजूदा सरकार टैबलेट और स्मार्ट फोन उपलब्ध करा रही है। सेफ सिटी, इंट्रीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर हैं। हंट सिटी सर्विलांस के माध्यम से ट्रैफिक, स्वाथ्य और स्वच्छता के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। नगर सृजन योजना के तहत नगर निगम फिरोजाबाद का विस्तार और नगर पंचायत मक्खनपुर का सृजन हुआ है। अमृत मिशन के तहत सवा तीन सौ करोड़ रुपए की पांच परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। हर घर नल की 27 करोड़ की परियोजना पूरी होने पर चौदह हजार घरों को स्वच्छ पेयजल मिलने लगेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति दी। यह नीति भारत और यूपी के टैलेंट को टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के साथ जोड़कर स्थानीय स्तर पर नौकरी उपलब्ध कराने का बहुत अच्छा माध्यम बनेगी। आगरा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के लिए जानी जाती है। छत्रपति शिवाजी ने विदेशी आक्रांताओं को यहीं पर चुनौती देने का काम किया था। वर्तमान सरकार ने उनके नाम पर म्यूजियम बनवाने का काम किया। भारत बदल चुका है। जहां भी गुलामी का अंश होगा उससे मुक्ति पाने का उपाय करेंगे। बृज क्षेत्र भी सज और संवर रहा है। चित्रकूट से लेकर गोवर्धन तक हर जगह काम चल रहा है। वर्ष के अंत तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहतरीन सुविधा आगरा मेट्रो ट्रेन का संचालन भी शुरू हो जाएगा। आगरा मेट्रो सिटी भी हो जाएगी। सैंतीस वर्ष बाद आगरा नगर निगम की सीमा का विस्तार भी किया गया है।

आयुष्मान योजना, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि का लाभ भी सबका साथ- सबका विकास, सबका विश्वास-सबका प्रयास की तर्ज पर बिना भेदभाव के दिलाया जा रहा है। योगी ने कहा कि यहां के कण कण में बिहारी जी और राधा जी का दर्शन होता है। इसीलिए पूरी दुनिया से लोग यहां आते हैं। मथुरा की सात्विकता, वैष्णो भाव, पवित्रता को देखकर दुनिया को भक्ति की शक्ति की अनुभूति होती है। वर्तमान सरकार यहां की परम्परा व संस्कृति की उन्नति के लिए कार्य कर रही है मथुरा, वृन्दावन, बरसाना बलदेव, गोवर्धन, गोकुल को तीर्थस्थल का दर्जा दिया गया है। इनके विकास हेतु ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है।

भक्ति में शक्ति होती है, इसी का परिणाम है कि अयोध्या में भव्य राम मन्दिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। योगी सरकार ने परम्पराओं से जुड़ने का कार्य किया है। काशी में देव दीपावली, प्रयागराज में कुम्भ शक्तिपीठों में शारदीय व बासंतीय नवरात्रि, गंगा यमुना की आरती का कार्यक्रम शुरू किया है। गंगाजी को निर्मल और अविरल बनाने का कार्य किया गया है। इसी तरह यमुना जी पूरी तरीके से निर्मल होंगी। सरकार ब्रज क्षेत्रवासियों को शुद्ध व मीठा पेयजल उपलब्ध करायेगी। इसके लिए कार्य योजना तैयार की गयी है। जल संचयन हेतु तालाबों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। गोवर्धन जी के परिक्रमा क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक सौ सत्रह करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी है। गोवंश को संरक्षित करने का कार्य वर्तमान सरकार ने किया है। दुग्ध की गुणवत्ता बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। टीकाकरण के बाद इन गोवंशों को ईयरटैग किया जा रहा है। निराश्रित गोवंश को संरक्षण देने वालों को राज्य सरकार द्वारा नौ सौ रुपये प्रतिमाह प्रति गोवंश दिया जा रहा है। गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौ आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बरसाना स्थित श्री माताजी गौशाला में श्री श्याम लक्ष्मी गऊ चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया था।

योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को हिंदुओं की आस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया था, जो साकार हो रहा है। भाजपा सरकार ने मथुरा-वृंदावन के पुराने गौरव को लौटाने के लिए सभी प्रमुख योजनाओं में इस क्षेत्र को रखा है। कृष्ण जन्मोत्सव शुरू कर इसकी वैश्विक पहचान को बढ़ाने के साथ ही जन्मभूमि क्षेत्र के दस किमी की परिधि के दायरे को तीर्थस्थल घोषित कर अपने संकल्प को पूरा किया है। अयोध्या की ही तर्ज पर आज कान्हा की नगरी भी सज और संवर रही है। सरकार ब्रज के विकास के लिए संकल्पित है। छह वर्ष के दौरान मथुरा में दिव्य और भव्य कृष्ण जन्मोत्सव और होली के भव्य आयोजन से इसकी वैश्विक और धार्मिक पहचान मजबूत हुई है। ब्रज तीर्थ क्षेत्र विकास परिषद का गठन कर सरकार ने मथुरा-वृंदावन ही नहीं पूरे चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के बीच पड़ने वाली सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व की धरोहरों का सौंदर्यीकरण किया। केंद्र सरकार की हृदय योजना का लाभ भी मथुरा-वृंदावन विधानसभा क्षेत्र को मिला है। प्रो पुअर पर्यटन योजना के तहत श्रीबांके बिहारी मंदिर की कुंज गलियों व श्रीकृष्ण जन्मस्थान के मार्गों का विकास हुआ है। अब योजना में श्री ठाकुर बांके बिहारी जी मंदिर की अन्य कुंज गलियां भी शामिल की गई हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि में रास लीला मंच, कृष्ण लीला के डिजिटल मंचन, पार्क के सौंदर्यीकरण, प्रमुख मार्ग का निर्माण सम्भव हुआ।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जैव विकास में दशावतार की अवधारणा और डार्विन

लेखक
प्रमोद भार्गव

एनसीईआरटी अर्थात राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम से नवीं एवं दसवीं कक्षाओं की विज्ञान पुस्तकों से चार्ल्स डार्विन के जैव विकास के सिद्धांत को हटा दिए जाने पर विवाद गहरा रहा है। देश के लगभग 1800 वैज्ञानिक और शिक्षकों ने एनसीईआरटी की इस पहल की आलोचना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा उपहास बताया है। दरअसल भारत के बुद्धिजीवियों का एक वर्ग जब भी किसी पाश्चात्य सिद्धांत या इतिहास के भ्रामक प्रसंगों को हटाए जाने की बात छिड़ती है तो उसके पक्ष में उठ खड़े होते हैं। जबकि चार्ल्स डार्विन ने जब जीवों के विकासवाद का अध्ययन करने के बाद 1859 में ह्यऑरिजिन ऑफ स्पीशीजह्य अर्थात ह्यजीवोत्पत्ति का सिद्धांतह्य दिया तब इसका ईसाई धर्मावलंबियों और अनेक ईसाई वैज्ञानिकों ने जबरदस्त विरोध किया था। क्योंकि इसमें मनुष्य का अवतरण बंदर से बताया गया था। अलबत्ता जब यही अवधारणा भारतीय ऋषियों ने भगवान विष्णु के दशावतारों के रूप में दी तो इसका वर्णन प्राचीन संस्कृत के प्रमुख ग्रंथों में समाविष्ट किया गया और जैव विकास एवं आनुवंशिकता के इस विज्ञान को मंदिरों की दीवारों पर उकेरा गया। जबकि इसमें सिंह से मनुष्य के संक्रमण को प्रतिपादित किया है। मानव प्रजाति के विकास क्रम में चार्ल्स डार्विन के सिद्धांत के अनुसार माना जाता है कि मानव बंदर की एक प्रजाति का विकसित रूप है। तब नरसिंह अवतार की अवधारणा के अनुरूप यह भी कहा जाता है कि मनुष्य सिंहनी का विकसित रूप है? डार्विन के सिद्धांत से कहीं ज्यादा मनुष्य के जैविक विकास की यह अवधारणा ज्यादा तार्किक है। क्योंकि दशावतारों की भौतिकवादी अवधारणा के अंतर्गत नरसिंह की अवधारणा जीव-जगत के विकास क्रम की श्रृंखला से जुड़ी है। इस धारणा के अनुसार पहले मत्स्यातवार हुआ यानी जल में जीवन की उत्पत्ति हुई। विज्ञान भी इस तथ्य से सहमत है कि जीव-जगत में पहला जीवन रूप पानी में विकसित हुआ। दूसरा अवतार कच्छप हुआ, जो जल और भूमि दोनों स्थलों पर रहने में समर्थ था। तीसरा वराह हुआ, जो पानी के भीतर से जीव के धरती की ओर बढ़ने का संकेत है, अर्थात पृथ्वी को जल से मुक्त करने का प्रतीक है। चौथा नरसिंह अवतार है, जो इस तथ्य का प्रतीक है कि जानवर से मनुष्य विकसित हो रहा है। आधा मनुष्य, आधा सिंह शरीर संक्रमण का प्रतिबिंब है। इसके बाद पांचवां अवतार वामन के रूप में है, जो मानव का लघु रूप है। सृष्टि के आरंभ में मनुष्य बौने रूप में ही अस्तित्व में आया था। 45 लाख साल पुराने स्त्री और पुरुष के जो जीवाश्म मिले हैं, उनकी ऊंचाई दो से ढाई फीट की है। वामन के बाद परशुराम हैं, जो मनुष्य का संपूर्ण विकसित रूप है। इसी समय से मानव जीवन को व्यवस्थित रूप में बसाने के लिए वनों को काटकर घर-निर्माण की तकनीक को अभिव्यक्त करता है। परशुराम के हाथ में फरसा इसी परिवर्तन का प्रतीक है। सातवें अवतार में राम का धनुष बाण लिए प्रकटीकरण इस बात का संकेत है कि मनुष्य मानव बस्तियों के दूर रहकर सुरक्षा करने में सक्षम व दक्ष हो चुका था। आठवें अवतार बलराम हैं, जो कंधे पर हल लिए हुए है। यह स्थिति मानव सभ्यता के बीच कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के विकास को इंगित करता है। कृष्ण मानव सभ्यता के ऐसे प्रतिनिधि हैं, जो नूतन सोच का दर्शन देते हैं। दसवां, कल्कि ऐसा काल्पनिक अवतार है, जो भविष्य में होना है। इसे हम कलियुग अर्थात कलपुर्जों के युग से जोड़कर देख सकते है। ब्रिटेन के जेबीएस हल्डेन नामक शरीर, आनुवंशिकी और विकासवादी जीव विज्ञानी हुए हैं। गणित और सांख्यिकी के भी ये विद्वान थे। हल्डेन नास्तिक किंतु मानवतावादी थे। इन्होंने प्रकृति विज्ञान पर भी काम किया है। हल्डेन राजनीतिक असहमतियों के चलते ब्रिटेन छोड़कर भारत आ गए। भारत में वे पहले सांख्यिकीय आयोग के सदस्य बने और प्राध्यापक भी रहे। हल्डेन ने जब भारत के मंदिरों में जैव व मानव विकास से जुड़ी मूर्तियों का अध्ययन किया तब उन्होंने पहली बार व्यवस्थित क्रम में अवतारों की बीती सदी के चौथे दशक में व्याख्या की। हल्डेन ने जैविक विकास के तथ्य पाए और अपनी पुस्तक ह्यद कॉजेज ऑफ ओव्यूलेशनह्य में इन्हें रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञान जीव की उत्पत्ति समुद्र में मानता है। इस नाते इस तथ्य की अभिव्यक्ति मत्स्यावतार में है। कूर्म यानी कछुआ जल व जमीन दोनों पर रहने में समर्थ है, इसलिए यह उभयचर कूर्मावतार के रूप में सटीक मिथक हैं। अंडे देने वाले सरीसृपों से ही स्तनधारी प्राणियों की उत्पत्ति मानी जाती है। इस नाते इस कड़ी में वराह अवतार की सार्थकता है। नरसिंह ऐसा विचित्र अवतार है, जो आधा वन्य प्राणी और आधा मनुष्य है। इस विलक्षण अवतार की परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि मनुष्य का विकास पशुओं से हुआ है। यह लगभग वही अवधारणा है, जो चार्ल्स डार्विन ने प्रतिपादित की है। हल्डेन ने मानवीय अवतारों में वामन को सृष्टि विकास के रूप में लघु मानव (हॉबिट) माना है। परशुधारी परशुराम को वे पूर्ण आदिम पुरुष मानते हैं। राम सामंती मूल्यों को सैद्धांतिकता देने और सामंतों के लिए भी एक आचार संहिता की मयार्दा से अवध करते हैं। हल्डेन बलराम को महत्व नहीं देते, किंतु कृष्ण को एक बौद्धिक पुरुष की परिणति के रूप में देखते हैं। सृष्टिवाद से जुड़ी इतनी सटीक व्याख्या के बावजूद हल्डेन की इस अवधारणा को भारतीय विकासवादियों व जीव विज्ञानियों ने कोई महत्व नहीं दिया। क्योंकि उनकी आंखों पर पाश्चात्य-वामपंथी वैचारिकता का चश्मा चढ़ा था, दूसरे वे मैकाले की इस धारणा के अंध अनुयायी हो गए थे कि संस्कृत ग्रंथ तो केवल पूजा-पाठ की वस्तु और कपोल-कल्पित है। डार्विन के विकासमत का विरोध आरंभ से ही हो रहा है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने तो यह मत व्यक्त किया है कि जीव या मनुष्य पृथ्वी पर किसी दूसरे लोक या दूसरे ग्रह से आकर बसे। जैसे कि आजकल एलियन को सृष्टि का जनक बताया जा रहा है। 1982 में प्रसिद्ध अंतिरक्ष वैज्ञानिक फ्रायड हायल ने यह सिद्धांत प्रतिपादित करके दुनिया को आश्चर्य और संशय में डाल दिया कि किन्हीं अंतरिक्षवासियों ने सुदूर प्राचीन काल में पृथ्वी को जीवन पर स्थापित किया। डार्विन के बंदर से मनुष्य की उत्पत्ति के विकासवादी सिद्धांत को हायल ने बड़ी चुनौती दी हुई है। हायल ने रॉयल इंस्टीट्यूट लंदन में आयोजित हुई वैज्ञानिकों की गोष्ठी में इस सिद्धांत का रहस्योद्घाटन करते हुए कहा था कि ह्यजीवन की रासायनिक संरचना इतनी जटिल है कि वह क्रमिक या आकास्मिक घटनाओं से उत्सर्जित नहीं हो सकती है। जैसा कि विकासवादी विश्वास करते है। जीव की उत्पत्ति ब्रह्मांड के ध्रुव सिद्धांतों के अनुसार हुई है। अवतारों के इस जैव-विकास के क्रम में जहां क्रमशः सृजनात्मकता है, वहीं जीव-विज्ञान संबंधी तार्किक सुसंगति भी है। हालांकि सिंह से मनुष्य के विकसित रूप को अवतारवादी अवधारणा के विरोधी यह तर्क देते हैं कि मनुष्य व चिपैंजी के डीएनए में आनुवांशिक स्तर पर 96 प्रतिशत समानता मानी जाती है। लेकिन इसी प्रजाति के गोरिल्ला और वनमानुष (ओरांगऊंटान) से इस रिश्ते में बहुत बड़ा अंतर है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

खेलो इंडिया : परंपरा को मिला पुनर्जीवन

लेखक
प्रो. संजय द्विवेदी

विराट भारतीय संस्कृति और परंपराओं में बचपन से ही पढ़ाई के साथ-साथ खेलों का भी एक विशेष महत्व रहा है। हमारा यह विश्वास रहा है कि जिस प्रकार अध्ययन मानसिक विकास में आवश्यक है, उसी तरह खेल शारीरिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारे जीवन में खेल और स्वास्थ्य का बहुत बड़ा योगदान है। खेल हमारे भीतर टीम भावना पैदा करते हैं। साथ ही इनसे हमारे अंदर, सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता, नेतृत्व कौशल, लक्ष्य निर्धारण और जोखिम लेने का आत्मविश्वास भी उत्पन्न होता है। शताब्दियों तक भारतीय ज्ञान, अध्ययन और अध्यापन परंपरा में खेलों को समान महत्व दिया गया, क्योंकि एक सुदृढ़ व्यक्तित्व का निर्माण तभी संभव है, जब उसमें एक विचारशील मन और एक सुगठित तन, दोनों शामिल हों। हमारे प्राचीन गुरुकुलों में दी जाने वाली शिक्षा इसका प्रमाण है, जिसमें शास्त्रों-वेदों के अलावा विभिन्न प्रकार के खेल कौशलों की भी विधिवत शिक्षा दी जाती थी। वर्ष 2014 में जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार सत्ता में आई, तो सरकार ने इस पर फिर से विचार करना शुरू किया। भारत जैसे देश में जहां अभी तक क्रिकेट जैसे औपनिवेशिक और एलीट खेल का दबदबा था, दूसरे खेलों को प्रोत्साहन दिया जाना शुरू हुआ। फिर देखते ही देखते, एथलेटिक्स, कबड्डी, आर्चरी, शूटिंग, रेसलिंग, जैवलिन थ्रो, वेटलिफ्टिंग जैसे अनेक खेलों में, जो अभी तक उपेक्षा झेल रहे थे, भारतीय खिलाड़ियों ने एक के बाद एक उपलब्धियां हासिल करनी शुरू कीं। भारत देखते ही देखते, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पोर्ट्स सुपर पॉवर के रूप में उभरने लगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में एक ऐसी खेल संस्कृति का उदय हुआ, जो अभूतपूर्व थी। इसी संस्कृति को विराटता और व्यापकता देने के लिए सरकार ने 2018 में एक अभिनव अभियान का आरंभ किया, यह था खेलो इंडिया गेम्स। खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के नाम से शुरू की गई इस पहल की शानदार सफलता को देखते हुए इसे और विस्तार दिया गया। इसी साल भारतीय ओलंपिक संघ के इस पहल से जुड़ते ही इसे और मजबूती व लोकप्रियता मिली। खेलो इंडिया का बढ़ता दायराः खेलों का सिलसिला बचपन तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे आगे बढ़ाकर युवाओं को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए। इस विचार से अगले ही साल, यानी 2019 से इसका नाम

बदलकर खेलो इंडिया यूथ गेम्स कर दिया गया। और इसमें भारतीय युवाओं की विशाल आबादी को भी शामिल कर लिया गया। बचपन के उत्साह और युवा शक्ति और सामर्थ्य ने मिलकर खेलो इंडिया को इतना व्यापक स्वरूप प्रदान कर दिया है कि यह देश के सर्वाधिक सफल अभियानों में गिना जाने लगा है। यह उपलब्धि हमें कोई अनायास ही हासिल नहीं हुई है, बल्कि इसके पीछे हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सृजनात्मक, कल्पनाशील व दूरदर्शितापूर्ण सोच व कड़ी मेहनत का बहुत बड़ा योगदान है। इसी सोच का परिणाम था कि प्रधानमंत्री ने अपने दूसरे कार्यकाल में खेल एवं युवा मंत्रालय की कमान अनुराग ठाकुर को सौंपीं। ठाकुर का नाम इसलिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि खेलों के प्रति उनके विजन की तारीफ पूरा देश करता आया है। खिलाड़ियों को मिली पहचानः खेलो इंडिया यूथ गेम्स जिसका मुख्यालय नई दिल्ली में है, एक ऐसी अभूतपूर्व योजना है जिसे भारतीय खिलाड़ियों के दीर्घकालीन विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए लागू किया गया है। खेलो इंडिया एथलीटों का चयन, खेलो इंडिया गेम्स, नेशनल चैंपियनशिप/ओपन सेलेक्शन ट्रायल्स में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। केंद्रीय खेल व युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछले साल लोकसभा में बताया था कि देश भर से 21 खेल विधाओं में 2,841 एथलीटों को ह्यखेलो इंडिया एथलीट के रूप में चुना गया था। इन चुने हुए एथलीटों को खेलो इंडिया स्कॉलरशिप के लिए प्रतिस्पर्धा करने और अत्याधुनिक खेलो इंडिया अकादमियों में देश के सर्वश्रेष्ठ कोचों से प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। साथ ही उन्हें दस हजार रुपये प्रतिमाह का जेब खर्च भी मिलता है। अभी तक इस क्रम में 2017 और 2021 के बीच तीन खेलो इंडिया स्कूल और यूथ गेम्स, एक खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्सह्न और दो खेलो इंडिया विंटर गेम्स आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग बीस हजार एथलीटों ने हिस्सा लिया था। खेलो इंडिया कार्यक्रम में अभी तक जिन खेलों का समावेश किया गया है, उनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, खो-खो, जूडो, जिम्नास्टिक, तीरंदाजी, टेबल टेनिस, तैराकी, निशानेबाजी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, लॉन टेनिस, वालीबॉल, वेटलिफ्टिंग, हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। स्पोर्ट्स फॉर ऑल, स्पोर्ट्स फॉर एक्सीलेंसः खेलो इंडिया कार्यक्रम के प्रमुख निहित उद्देश्यों में ह्यउत्कृष्टता के लिए खेलह्न के साथ-साथ ह्यसभी के लिए खेल को बढ़ावा देना, वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में बड़े पैमाने पर युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करना, केंद्र सरकार, राज्य सरकार या सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पद्धति में खेल अकादमियों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं की पहचान और पोषण व मार्गदर्शन तथा तहसील, जिला, व राज्य स्तर आदि पर खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण आदि शामिल हैं। संक्षेप में कहें तो खेलो इंडिया योजना एक ऐसा कार्यक्रम है, जो जमीनी स्तर पर भारत की खेल संस्कृति को मजबूत और पुनर्जीवित करता है और खेल प्रतिभाओं की पहचान, विकास और पोषण- प्रोत्साहन से खेल संस्कृति को विकसित करता है। यह कार्यक्रम वंचित और गरीब युवाओं को अनुत्पादक कार्यों के बजाय खेलों से जुड़कर विकास करने की सुविधा प्रदान करता है।

(लेखक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली में महानिदेशक हैं।)

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के तहत मिलेट जागरूकता रैली का आयोजन

फतवा समाचार ◈ धार

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया और भारत पूरे विश्व में मोटे अनाजों को लोकप्रिय बनाने वाले इस आंदोलन की अगुवाई कर रहा है। मोटे अनाजों में प्रमुख रूप से ज्वार, बाजरा, संगी, कोदो, कुटकी, कंगनी और चिना आदि शामिल है वहीं श्री मोदी जी ने इन फसलों को ₹श्री अन्न₹ की उपमा दी है। मिलेट फसले विपरीत परिस्थिति में भी बेहतर उपज देती है। ये फसलें कम पानी, कम उर्वरक, कम कीटनाशक के साथ कमजोर भूमि में भी अधिक उपज देती है इसी लिये इन्हें क्लाईमेट स्मार्ट' अनाज का दर्जा भी दिया गया है।

जिला स्तर पर लाल बाग परिसर से मिलेट जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को विधायक श्रीमति नीना वर्मा , कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । इस दौरान मुख्य कायार्पालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रृंगार श्रीवास्तव, सहायक कलेक्टर श्री शिवम प्रजापति साथ थे। विधायक श्रीमति वर्मा ने कहा कि मिलेट फसलों को बढ़ावा देने तथा जिले मे ज्वार फसल को लगाने के लिए कृषक भाईयो को प्रेरित करे एवं श्री अन्न अंतर्गत आने वाली फसलो के महत्व को आम जन को बताये। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जिले के कृषकों को पोषक तत्वों के भण्डार माने जाने वाले पोषक अनाज को खरीफ सीजन में अधिक से अधिक उगाये जाने की अपील की। मध्यप्रदेश में मिलेट फसलों को गति देने के लिये मिशन मोड में लेकर म.प्र. शासन कार्य कर रही है। श्री अन्न को लोकप्रिय बनाने के लिये प्रदेश में व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है । जिले के किसान कल्याण तथा कृषि विकास एवं संबद्ध विभाग अंतर्गत आने वाले समस्त विकासखण्ड स्तरीय कार्यालयों एवं प्रमुख चौराहों पर मिलेट बेनर पोस्टर का लगाये गये। साथ ही ₹मिलेट जागरूकता रैली' का भी आयोजन किया गया। रैली शहर के लालबाग उद्यान से प्रारम्भ होकर मोहन टॉकिज रोड, एम.जी. रोड, राजवाडा, बोहरा बाखल, कृषि उपज मंडी, शनि गली व हटवाडा से होते हुये प्रारम्भिक स्थल पहुंची। रैली में प्रचार वाहन के माध्यम से मिलेट संबंधित नारों जैसे ₹जीवन की मजबूती का आधार, रोज खाने ले कोदो कुटकी और ज्वार ₹बाहर का खाना कर देगा बीमार ,श्री अन्न को बनाएं स्वस्थ जीवन का आहार इत्यादि से प्रचार किया गया। साथ ही मिलेट फसल की जानकारी एवं मिलेट फसलों से बनने वाले व्यंजन का भी प्रदर्शन किया गया।

मैं मजदूर हूँ, देश के विकास में निरंतर सहयोग करूंगा: राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी

दिलीप शुक्ला ◈ बड़वानी

जन्मदिवस पर राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी का दिखा अनोखा अंदाज..!!

पारम्परिक की वेशभूषा में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर मजदूरों के साथ स्वयं गेती-फावड़ा चलाकर किया श्रमदान..!!

बड़वानी जिले के छोटे से ग्राम ठान निवासी आदिवासी नेता भाजपा राज्यसभा सांसद (मध्यप्रदेश) डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने अपना जन्मदिवस 1 मई को ग्राम सिंधी खोदरी , लाल घाटी पहाड़ी पर मजदूरों के साथ गेती-फावड़ा चलाते हुए श्रमदान कर मनाया। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि मेरा जन्म एक गरीब किसान परिवार में हुआ और बचपन में मैने स्वयं परिवारजनों के साथ मेहनत मजदूरी की है। सांसद डॉ. सोलंकी सोमवार को बड़वानी जिले के ग्राम सिंधी खोदरी में पारम्परिक वेशभूषा में पहुँचे । इस दौरान उन्होंने मनरेगा के तहत मजदूरी कर रहे श्रमिकों का पुष्पहार एवं गेती-फावड़ा और तगारी भेंट कर श्रमिको का सम्मान किया एवं उनके साथ स्वंय गेती उठाकर श्रमदान किया साथ ही स्वयं मजदूरों को खाना परोसा और उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया।

लायन सोलंकी रीजन चेयरपर्सन मनोनीत

फतवा समाचार ◈ धार

लायंस क्लब धार मेन के अति सक्रिय, ऊजार्वान, सेवाभावी लायन ओमप्रकाश सोलंकी को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन यश जी शर्मा ने वर्ष 2023 -24 का धार क्षेत्र के क्लबों को सुदृढ एवं कुशल मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु तथा सेवा गतिविधियों को और अधिक अंजाम देने हेतु रीजन चेयरपर्सन मनोनीत किया है !लायन सोलंकी को रीजन चेयरपर्सन बनने पर डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर लायन जयप्रकाश त्रिपाठी ,पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन विजय मिश्रा ,पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन श्रवण त्रिपाठी ,कैबिनेट के साथी लायन संतोष भार्गव ,लायन दयाराम पाटीदार, लायन डॉ एम आर चौधरी लायन भेरूलाल पाटीदार, लायन चैतन्य त्रिपाठी ,लायन विजयारानी सोलंकी, लायन विनीता जोशी ,लायन कपिल महेश्वरी ,लॉयन भूपेंद्र राजावत, लायन राजीव जोशी, लायन प्रेम रावल ,लायन बाबूलाल पवार ,लायन अशोक पाटीदार आदि लायंस लीडरों ने लायन सोलंकी को हार्दिक बधाई प्रेषित की तथा आशा व्यक्त किया की उनके कुशल नेतृत्व में धार क्षेत्र में लायनवाद का और अधिक प्रसारण होकर सेवा गतिविधि मे वृद्धि होगी! डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया!

भदौरिया से पत्रकारों ने की मुलाकात

हमारे मोहनगढ़ प्रतिनिधि राजेंद्र नायक ने भोपाल शलभ भदौरिया से पत्रकारों की सुविधाओं को लेकर चर्चा करते हुए

जनसुनवाई में आये 39 आवेदन, निराकरण के दिए निर्देश

दिलीप शुक्ला ◈ बड़वानी

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में आयोजित जनसुनवाई के दौरान 39 आवेदको को व्यक्तिगत रूप से सुना तथा मौके पर ही हो सकने वाली समस्याओं का निराकरण कराया। जबकि मांगो से संबंधित आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजकर परीक्षण कराने एवं उपयुक्त पाये जाने पर उसे आगामी कार्य योजना में सम्मलित करने के भी निर्देश निर्माण एजेंसियो के पदाधिकारियो को दिये। जनसुनवाई में ग्राम उपला निवासी श्री भूरिया पिता सतन्या ने आवेदन देकर बताया कि वे दिव्यांग है तथा 21 जनवरी 2021 को उनका विवाह हुआ है। विवाह के पश्चात निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए उन्होने राजपुर जनपद पंचायत में आवेदन दिया। और इस संबंध में वे कई बार जनपद पंचायत राजपुर भी गये परन्तु वहां से उन्हे कोई संतुष्टिपूर्वक जवाब नही दिया जाता है। इस पर जनसुनवाई कर रहे कलेक्टर ने आवेदन को समय सीमा में दर्ज करते हुए सामाजिक न्याय विभाग के सहायक संचालक को निराकरण करने हेतु निर्देशित किया।

दिलवाई जाये आर्थिक सहायता राशि

जनसुनवाई में जुलवानिया निवासी श्रीमती रिनाबाई निरगुडे ने आवेदन देकर बताया कि 27 जुलाई 2021 को उनके पति एवं बेटी की मृत्यु सड़क दुर्घटना में हुई थी। सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु के संबंध में उन्हे शासन से मिलने वाली राशि अभी तक प्राप्त नही हुई है। इस पर जनसुनवाई कर रहे कलेक्टर ने तहसीलदार राजपुर को निर्देशित किया कि ज्ञात वाहन से दुर्घटना मृत्यु अगर हुई है तो दस्तावेज के आधार पर आर्थिक सहायता का प्रकरण बनाकर भेजा जाये।

पुत्र ने हड़प ली है फसल एवं कृषि भूमि

जनसुनवाई में ग्राम भीलखेड़ा निवासी एक वृद्ध ने आवेदन देकर बताया कि उनकी कृषि भूमि पर उनके दो पुत्र एवं उनका बंटवारा हुआ है। वे तीनो लोग अलग-अलग रहकर खेती करते है। उनके पुत्र ने एक उनसे कहा कि वृद्धावस्था के कारण वे अगर खेती नही कर सकते तो मुझे जमीन देदे जो भी फसल आयेगी वह वो उन्हे दे देगा। पुत्र की बातों में आकर उन्होने उसे जमीन खेती के लिए दे दी। उनकी जमीन पर गेहूं की फसल आने पर पुत्र ने उन्हे जमीन एवं फसल दोनों ही वापस देने से मना कर दिया। जिससे उन्हे भरण पोषण करने में आर्थिक परेशानी आ रही है। इस पर जनसुनवाई कर रहे कलेक्टर में एसडीएम बड़वानी को भरण पोषण अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर सुनवाई करने हेतु निर्देशित किया।

बेटा अगर आज है तो बेटी आने वाला कल है: राज्यसभा सांसद डॉ. सोलंकी

दिलीप शुक्ला ◈ बड़वानी

बड़वानी में लाडली लक्ष्मी उत्सव

आज के आधुनिक युग में बेटियों ने हर जगह अपना परचम लहराया है। आज कई बेटियां बड़े-बड़े पदों पर, सैना में हर जगह अपना कार्य बखूबी कर अपने देश, प्रदेश एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन कर रही है। बेटियां तो भगवान का वरदान होती है, खुशकिस्मत वह माता-पिता होते है जिनके घर में बेटी होती है। बेटा अगर आज है तो बेटी आने वाला कल है। एक बेटा बुढ़ापे में माता-पिता को छोड़ सकता है, परन्तु बेटी तो ससुराल जाने के बाद भी माता-पिता का सहारा बनी रहती है। अतः हमें बेटियों का भी लालन-पालन, शिक्षा-दीक्षा एवं उनकी उड़ान में कोई कौर कसर नही छोड़ना चाहिए। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी ने उक्त बाते मंगलवार को शहीद भीमा नायक महाविद्यालय के सभागृह में लाड़ली लक्ष्मी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। इस दौरान उन्होने बारेली भाषा में बेटियों के लिए एक गीत का भी गायन करते हुए देश की बेटियों को नमन किया।

मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा गया

शहीद भीमा नायक महाविद्यालय के सभागृह में लाड़ली लक्ष्मी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान विशाल एलईडी के माध्यम से भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बेटियों का सम्मान, मार्गदर्शन एवं संवाद कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी देखा एवं सुना गया। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ श्री जगदीश कुमार गोमे, नगर पालिका बड़वानी अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी चोहान, उपाध्यक्ष श्री सुभाष भावसार, वार्ड पार्षद श्रीमती निशा उपाध्याय, जिला महामंत्री श्री विक्रम चोहान, डीपीओ श्री आरएस गुण्डिया सहित बड़ी संख्या में लाड़ली बेटियां एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

प्रमाण पत्रो का किया गया वितरण

कार्यक्रम के दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी चोहान ने कुमारी हर्षी पिता रोहित, शिवी पिता हिमांशु, तनिष्का पिता मनीष, स्नेहा ठाकुर, शिवानी पिता रवि को लाड़ली लक्ष्मी योजना के आश्वासन प्रमाण पत्र, कुमारी मौसमी वास्कले, स्नेहा मोहनिया, कुमकुम सोलंकी, अन्नपूर्णा चोहान एवं सलोनी बड़ोले को प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाली हाकी प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व करने पर प्रमाण पत्र तथा लाड़ली फेण्डली ग्राम पंचायत तलून की सरपंच को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

मध्यप्रदेश गान एवं राष्ट्रगान का हुआ गायन

कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश गान के साथ एवं समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दौरान राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, जिला पंचायत सीईओ श्री जगदीश कुमार गोमे, नगर पालिका बड़वानी अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी चोहान, उपाध्यक्ष श्री सुभाष भावसार, वार्ड पार्षद श्रीमती निशा उपाध्याय, जिला महामंत्री श्री विक्रम चोहान, डीपीओ श्री आरएस गुण्डिया सहित बड़ी संख्या में लाड़ली बेटियां ने खड़े होकर ससम्मान गायन किया।

दीवाल लेखन कार्य कर डीबीटी के लिए किया जा रहा है जागरूक

राम सिंह यादव ◈ पलेरा, टीकमगढ़

मध्य प्रदेश शासन के द्वारा संचालित महत्वकांक्षी एवं जन हितेषी लाडली बहना योजना के अंतर्गत लोगों को जागरूक करने हेतु गांव गांव एवं घर घर जाकर डीबीटी के संबंध में दीवाल लेखन का कार्य किया जा रहा है कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए दशरथ प्रसाद धनुषधारी ने बताया कि मुख्यमंत्री जन सेवा मित्रों के द्वारा ऐसी ग्राम पंचायतों का चयन किया गया है जहां पर अधिकांशतः लोग डीबीटी के लिए वंचित रह गए हैं उन्हें घर घर जाकर जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है साथ ही साथ सार्वजनिक स्थलों पर जनसेवा मित्रों के द्वारा दीवाल लेखन का कार्य किया जा रहा है जिससे जिन हितग्राहियों के द्वारा अभी तक अपनी बैंक में पीवीटी एवं आधार लिंक नहीं करा पाया है वह समय रहते हुए बैंक से संपर्क कर आधार लिंक एवं डीबीटी को चालू करा ले ताकि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की जो मासिक किस्त आनी है वह सुचारू रूप से सीधे खाते में जा सके मुख्यमंत्री जन सेवा मित्र विकासखंड समन्वयक श्री करमचंद रजक के द्वारा महिलाओं को एवं ग्रामीण जनों को घर घर जाकर समझाने का कार्य किया गया इस कार्यक्रम में जनसेवा मित्र श्रीमती लक्ष्मी विश्वकर्मा श्री प्रमोद कुशवाहा श्री मुन्ना लाल अहिरवार सीएमसीएलडीपी के छात्र पंकज कुमार विश्वकर्मा सुनील रजक नगरी नीतू यादव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे

३ सूत्रीय मांगों को लेकर डॉक्टर्स की हड़ताल जारी....

राम सिंह यादव, टीकमगढ़। वैसे तो जिला अस्पताल में इलाज को लेकर डॉक्टर्स पर लापरवाही के आरोप लगाए जाते हैं लेकिन किसी ने आज तक ये पता नही लगाया की आखिर हकीकत क्या है। लेकिन आज जब डॉक्टर्स हड़ताल पर गए तब पता चला कि आखिर कभी कहां है। हड़ताल पर गए डॉक्टर्स ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया की प्रशासनिक हस्तक्षेप की वजह से मरीज के इलाज पर इसका साइड इफेक्ट होता है क्योंकि दबाब की वजह से डॉक्टर्स का दिमाग काम नही करता और किसी भी मरीज के इलाज के लिए डॉक्टर्स का सामान्य होना जरुरी है..... प्रशासनिक हस्तक्षेप संबंधी मुख्य मांग सहित ३ मांगो को लेकर डॉक्टर्स ने मध्यप्रदेश चिकित्सा अधिकारी संघ के बैनर तले हड़ताल प्रारंभ कर दी है। जिसमे डॉक्टर हरिवल्लभ बड़गैया एवं डॉक्टर दीपक ओझा ने बताया कि हम सभी डॉक्टर्स की मांग है कि डीएसीपी, ओपीएस स्कीम को लागू करना एवं प्रशासनिक हस्तक्षेप को बन्द किये जाने सबंधी मांग शामिल है।

प्रशासनिक हस्तक्षेप का साइड इफेक्ट मरीज के इलाज पर : डॉक्टर संघ

उक्त मांग को लेकर 1 मई को काली पट्टी बांधकर विरोध किया गया, १ मई को आधा दिन की हड़ताल की गई। फिर ३ मई से अनिश्चितकालीन हड़ताल प्रारंभ हो चुकी है।

हाईकोर्ट ने कैंट की शराब दुकानों से ट्रेड लाइसेंस फीस न वसूलने पर मांगा जवाब

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

हाई कोर्ट ने कैंट की शराब दुकानों से वर्ष 2016 से ट्रेड लाइसेंस फीस न वसूलने पर जवाब-तलब कर लिया है। प्रशासनिक न्यायाधीश शील नागू व न्यायमूर्त हिरदेश की युगलपीठ कैंट बोर्ड के अधिवक्ता को निर्देश प्राप्त कर जवाब की प्रस्तुति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई आठ मई को निर्धारित की गई है। जनहित याचिकाकर्ता मोदीबाड़ा, सदर निवासी अधिवक्ता मौसम पासी की ओर से अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि इतने वर्षों से ट्रेड लाइसेंस फीस न वसूले जाने से कैंट बोर्ड का राजस्व क्षति हुई है। बहस के दौरान हाई कोर्ट को अगवत कराया गया कि कैंट बोर्ड, जबलपुर द्वारा 30 अप्रैल, 2016 में यह निर्णय लिया गया था कि कैंट एरिया में संचालित शराब दुकानों को ट्रेड लाइसेंस जारी किए जाएंगे। यह तय हुआ था कि अंग्रेजी शराब दुकान से 4.5 लाख, देशी शराब दुकान से 1.50 लाख व बीयर बार से दो लाख रुपये प्रतिवर्ष ट्रेड लाइसेंस फीस वसूल की जाएगी। इस संबंध में आरटीआई दायर की गई थी। बोर्ड ने 18 अगस्त, 2022 को जवाब देकर बताया कि 2016 से लेकर 2022 तक किसी शराब दुकान को ट्रेड लाइसेंस जारी नहीं किए गए और न ही किसी से कोई फीस वसूल की गई।

ईओडब्ल्यू व सीबीआई को शिकायत :

याचिकाकर्ता ने इस संबंध में दो दिसंबर, २०२२ को ईओडब्ल्यू, २५ जनवरी को सीबीआई और २४ फरवरी, २०२३ को सेंट्रल कमांडेंट लखनऊ के कमांडेंट को शिकायत भेजी गई। जब अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई तो हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई। याचिका में भारत सरकार, मध्यप्रदेश शासन, सेंट्रल आफिसर कमांडेंट इन चीफ लखनऊ, कैंट बोर्ड अध्यक्ष, सीबीआई, ईओडब्ल्यू समेत कैंट बोर्ड के पूर्व अधिकारियों को पक्षकार बनाया गया है।

जिले में अतिकुपोषित बच्चों की संख्या 72 फीसदी घटी

अनिल कमल तिवारी ◈ कटनी

'जहां चाह, वहां राह' कहावत एक बार फिर कटनी जिले में चरितार्थ होती नजर आ रही है, और जब इस चाहत को साकार करने का बीड़ा जनता ने भी उठा लिया हो तो फिर इसे हकीकत में बदलने से कौन रोक सकता है। हम बात कर रहे हैं कटनी जिले में एक वर्ष के भीतर अति कुपोषित बच्चों की संख्या में आई 72 प्रतिशत से भी अधिक कमी की।

जिले में अब महज 168 बच्चे अतिकुपोषित

: शासन के प्रयासों के तहत जिले को कुपोषण मुक्त बनाने चल रही मुहिम की कमान कटनी कलेक्टर अवि प्रसाद ने 6 माह पूर्व संभालते ही इसमें जनता को जुड़ने आह्वान किया। कलेक्टर की प्रेरणा से उनके संवेदनशील प्रयासों में अपनी भागीदार निभाने कई सामाजिक संगठन, औद्योगिक संगठन, उद्योगपति और समाजसेवी आगे आए। और इन्ही सम्मिलित प्रयासों का नतीजा है कि जिले में अब महज 168 कुपोषित बच्चे बचे हैं। जबकि 1 मई 2022 को जिले में अति कुपोषित बच्चों की संख्या 616 थी। प्रशासनिक प्रयासों और जनभागीदारी से इस अवधि दौरान 448 बच्चों को कुपोषण की पकड़ से बाहर निकालकर पूरी तरह स्वास्थ्य लाभ पहुंचाया जा चुका है

हमारी बचत राशि को स्वीकार कर लीजिए कलेक्टर सर

नन्हीं सी उम्र में पीड़ित मानवता के प्रति संवेदनशील और सेवा भावना से ओत प्रोत अभिश्री और उसके भाई दिव्य ने कलेक्टर श्री प्रसाद को लिखे पत्र में उनका धन्यवाद करने के साथ उसकी बचत राशि को स्वीकार करने की गुजारिश भी की। साथ ही कुपोषित बच्चों की मदद के लिए वो और क्या कर सकते है, इसके लिए कलेक्टर श्री प्रसाद से मार्गदर्शन भी मांगा है।

कुपोषण के खिलाफ मुहिम में मिले जसहयोग पर कलेक्टर ने जताया आभार

ये है परियोजनावार स्थिति

गत एक वर्ष में बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम अंतर्गत जिले की परियोजनावार स्थिति अनुसार बड़वारा में 92 पंजीकृत अतिकुपोषित बच्चों में से 58, बहोरीबंद में 103 में से 87, ढीमरखेड़ा में 122 में से 90, कटनी शहरी में 52 में से 42, मुड़वारा में 45 में से 26, रीठी में 96 में से 64 और विजयराघवगढ़ में 106 में से 81 बच्चे पूरी तरह ठीक हो चुके हैं। जिले में कुल ठीक होने वाले बच्चों का प्रतिशत 72.73 है।

पूरा श्रेय जनता को, आप भी बने भागीदाररू कलेक्टर

जिले में अतिकुपोषित बच्चों की संख्या में आई 72 फीसदी से अधिक कमी के लिए कलेक्टर श्री प्रसाद ने इसका पूरा श्रेय जनता को देते हुए कहा कि यह जनसहयोग का ही परिणाम है कि जिले में कुपोषण के खिलाफ मुहिम के इतने सार्थक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी इस दिशा में काफी सफर तय करना है। कलेक्टर श्री प्रसाद ने अपील करते हुए कहा कि आप भी जिले को कुपोषण मुक्त जिला बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम में साथ देकर प्रशासन के हाथ मजबूत करें। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। कुपोषण के खिलाफ जंग में नन्हें हाथ भी करेंगे प्रशासन की मदद देश से कुपोषण को मिटाकर पोषित और स्वस्थ समाज बनाने की दिशा में शासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान में छोटी सी उम्र के बावजूद संवेदनशीलता और समर्पण का परिचय देते हुए अपनी बचत की राशि समर्पित करने की मंशा जाहिर कर सेवा भावना की मिसाल कायम कर चुके भाई बहन ने एक बार फिर कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद को पत्र लिखा है। मासूमियत भरे इस पत्र में केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 एसटीसी जबलपुर की कक्षा 3 की छात्रा अभिश्री चौकसे और उसके भाई कक्षा 7 वी के छात्र दिव्य ने उन्हें प्रोत्साहित करने और स्कूल असेंबली उनका सम्मान किए जाने पर कलेक्टर श्री प्रसाद का धन्यवाद दिया है। कुपोषण के खिलाफ जंग में इन नन्हें हाथों के भी शामिल होने पर कलेक्टर कटनी अवि प्रसाद भावुक और जीत को लेकर आश्वस्त हो उठे।

कलेक्टर ने फिर सराहा, कहा लोगों को करें जागरूक

पीड़ित मानवता की सेवा के प्रति नन्ही सी उम्र में दोनों बच्चों में इतनी अधिक संवेदनशीलता और समर्पण से अभिभूत कलेक्टर श्री प्रसाद ने एक बार फिर दोनों बच्चों को पत्र लिखकर उनके विचारों और प्रयासों को सराहा है। उन्होंने दोनों बच्चों को संबोधित करते हुए लिखा कि उन्हें यह जानकर बहुत खुशी हुई कि स्कूल द्वारा उनका सम्मान किया गया और उनके योगदान की कहानी को असेंबली में बताकर दूसरे बच्चों को भी प्रेरित किया गया। उन्होंने दोनों बच्चों की मंशा का सम्मान करते हुए उनकी बचत राशि के आग्रह को स्वीकार करते कहा कि आपके प्रयास से लोगों को जिम्मेदार नागरिक और एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने पत्र के माध्यम से बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कुपोषित बच्चों की मदद के लिए इस विषय में लिखकर और चर्चा कर लोगों को प्रेरित करने की बात कहते कलेक्टर श्री प्रसाद ने लिखा कि इस तरह से आप अधिक से अधिक लोगों में अलख जला सकते हैं, साथ ही कुपोषण के खिलाफ जंग में प्रशासन के सहभागी बनने प्रेरित कर सकते हैं। कलेक्टर ने दोनों बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना भी की।

हाईटेक होगा डुमना एयरपोर्ट

एसआइएसएफ के जवान होंगे तैनात

फतवा समाचार ◈ जबलपुर

जबलपुर का डुमना एयरपोर्ट अब हाई सिक्योरिटी से लैस होगा जल्द ही एयरपोर्ट में एसआइएसएफ (स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) के जवान तैनात किए जाएंगे। शुरूआती दौर में तकरीबन 100 से अधिक अफसर और जवान जहां एयरपोर्ट में होंगे तो वही मेटल डिटेक्टर, बैग स्केनर और सीसीटीवी कैमरे से भी एयरपोर्ट पूरी तरह से लैस रहेगा। बता दें कि डुमना एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के साथ-साथ नई टर्मिनल बिल्डिंग में भी एडवांस सिक्योरिटी सिस्टम लगाए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक (स्टेट इंड्रस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स) आगामी जून माह से डुमना एयरपोर्ट में तैनात हो जाएगी और फिर सितंबर माह से ही सिक्योरिटी चेक पूरी तरह से प्रोसेस में आएगी। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट में सुरक्षा के लिहाज से सीआईएसएफ की तैनाती की जानी थी इसके लिए एयरपोर्ट के अधिकारियों ने संपर्क भी किया था पर सीआईएसएफ ने जब मना कर दिया तो एसआईएसएफ की तैनाती की जा रही है। जब तक एसआईएसएफ के जवान को एयरपोर्ट में तैनात नहीं हो जाते तब तक यात्रियों और उनके सामानों की चेकिंग पुलिस कर्मचारी और डुमना एयरपोर्ट में तैनात जवान मैनुअली करते आ रहे हैं। डुमना एयरपोर्ट में आगामी जून माह से जो नई प्रक्रिया लागू होगी उसमें टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश करने पर यात्रियों को रोककर उनके बैग, घड़ी जेब में रखे सामान, मोबाइल, पर्स, लैपटॉप ब्लेजर को बकेट में रखा कर यात्री की मेटल डिटेक्टर से चैकिंग पूरी पूरे होने के बाद यात्री को छोड़ा जाएगा।

कैलवारा के जंगल मे मिला मानव कंकाल पहचान अज्ञात, इलाके में फैली सनसनी

कमलेन्द्र पटेल ◈ कटनी

जिले के कुठला थाना क्षेत्र कैलवारा कला के जंगल की झाड़ियों में एक मानव कंकाल मिला है, जो काफी पुराना बताया जा रहा है। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत रंजन के निर्देश पर टी. आई. कुठला अरविंद जैन तत्काल पुलिस बल और डिप्टी रेंजर अनिल मिश्रा, वनरक्षक अंबुज पांडे और बाकी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

केलवारा कला के जंगल रफ 79 में झाड़ियों में एक काफी दिन पुराना मानव कंकाल बरामद किया। मानव कंकाल की केवल हड्डियां शेष थी। पुलिस द्वारा कंकाल को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पतल रवाना किया गया है। अज्ञात नर कंकाल की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के इलाके में भी पूछताछ की। घटनास्थल के चारों ओर पुलिस बल ने पैदल सर्चिंग की, लेकिन जानकारी नहीं मिली।

जांच में जुटी पुलिस

साथ ही ड्रोन कैमरे से इलाके की सर्चिंग की कराई गई। मौके पर स्पेशल वैज्ञानिक अधिकारी को भी निरीक्षण के लिए बुलाया गया। अज्ञात मानव कंकाल के पोस्टमार्टम एवं विशेषज्ञों द्वारा जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि यह पुरुष है या स्त्री। जांच ही जांच से कंकाल की संभावित उम्र और चोट का पता लगाया जाएगा। घटनास्थल पर मृतक से संबंधित कोई अन्य सामग्री बरामद नहीं की गई है। पुलिस अभी भी जांच में जुटी है।

मंडला में लाडली लक्ष्मी उत्सव

पूर्व राज्यसभा सांसद बोले- बेटियों का भविष्य संवारने के लिए संकल्पित है सरकार

फतवा समाचार ◈ मंडला

स्थानीय नगरपालिका सभाकक्ष में लाडली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया। इसमें पूर्व राज्यसभा सांसद संपतिया उईके, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा और कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने लाडली लक्ष्मी बालिकाओं से संवाद करते हुए, उन्हें भविष्य के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यसभा सांसद संपतिया उईके ने कहा कि वर्तमान सरकार बेटियों के भविष्य को संवारने के लिए संकल्पित है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बालिकाओं को बेहतर शिक्षा प्रदान करते हुए हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सलोनी सिडाना ने उपस्थित बालिकाओं से बात करते हुए उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि सभी बालिकाएं अपना लक्ष्य तय करें और सरकार की ओर से संचालित योजनाओं का लाभ लेते हुए अपने सपनों को साकार करें। उन्होंने कहा कि अर्जुन की आंख की तरह लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। आर्थिक कारण शिक्षा में व्यवधान नहीं बन सकते, उच्च शिक्षा के लिए भी सरकार की ओर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। डॉ. सलोनी सिडाना ने संवाद के दौरान अपनी एमबीबीएस तथा आईएएस की पढ़ाई के अनुभव भी साझा किए।

उत्कृष्ट कार्य के लिए बालिकाएं सम्मानित

कार्यक्रम में लाडली लक्ष्मी योजना के हितग्राही एंजल जैन सहित अन्य बालिकाओं ने योजना से मिलने वाले लाभों के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया। लाडली लक्ष्मी आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित किए। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा। आभार प्रदर्शन सहायक संचालक रोहित बड़कुल ने किया। कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, पार्षद ब्रजेश जसवानी, शिखा श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास श्वेता तड़वे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

लाडली लक्ष्मी उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में आयोजित

सम्मान पाकर खिले लाड़लियों के चेहरे

फतवा समाचार ◈ डिंडौरी

लाडली लक्ष्मी उत्सव का जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट ऑडिटोरियम में मंगलवार को किया गया। जिला मुख्यालय सहित समस्त जनपद पंचायत, नगर परिषद व समस्त ग्राम पंचायतों में लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में उत्कृष्ट बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी बालिकाओं द्वारा दी गई। नई लाभान्वित लाडली को लाडली आश्वासन प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार पाकर लाडलियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के बाद कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लाडली लक्ष्मी वाटिका में पौधरोपण किया गया। दोपहर 12 बजे से भोपाल से राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया। लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम में जिले में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला स्तर से 30 बालिका और जनपद स्तर में लगभग 100 बालिकाओं को सम्मानित किया गया। पोषण पखवाड़ा, लाड़ली लक्ष्मी योजना व लाडली बहना योजना में उत्कृष्ट कार्य करने 21 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जिला स्तर से प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मिलेट मोटे अनाज के व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में महिला व बाल विकास विभाग अधिकारी श्याम सिंगौर, विकासखंडों के परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, बालिकाओ के अभिभावक सहित विभागीय स्टाफ मौजूद रहा।

बैशाख में लगी सावन सी झड़ी,ओलावृष्टि की चेतावनी

फतवा समाचार ◈ मंडला

प्रदेश सहित जिले में बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। पिछले दिनों में रुक रुक कर, कभी तेज, कभी बूंदाबांदी ने बैशाख के महीने में सावन की तरह हालत पैदा कर दिए हैं। वहीं मौसम विभाग ने जिले में बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जताई है। बारिश और बादलों की वजह से तापमान में भी कमी आ गयी है। इससे गर्मी के मौसम में भी ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि जिले में इससे पूर्व अप्रैल माह में सर्वाधिक बारिश 39.2 मिमी वर्ष 1965 में दर्ज की गई थी, लेकिन इस वर्ष अप्रेल माह में 46.1 मिमी दर्ज की गई है। इसकी वजह पश्चिमी विक्षोभ बताई जा रही थी और उम्मीद जताई जा रही थी की 1 मई के बाद इसका असर खत्म होते ही मौसम बदल जाएगा। लेकिन हालत जस के तस बने हुए हैं। मौसम विभाग ने मई में जारी बारिश के विषय में बताया गया कि साउथ-वेस्ट एमपी से साउथ तमिलनाडु तक 0.9' समुद्र तल से ऊपर एक द्रोणिका बनी हुई है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ में 0.9' समुद्र तल से ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है। 5 मई तक इसका प्रभाव रहने का अनुमान जताया है। 2 मई को भी मौसम विभाग ने जिले में झोंकेदार हवाओं के साथ मध्यम वर्षा, बिजली कड़कना और ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है।

मवई में 62 मिमी बारिश

जिला मुख्यालय में पिछले 24 घंटे में 2.6 मिमी बारिश दर्ज की गई है। सबसे अधिक मवई में - 62 मिमी, बिछिया - 45.5 मिमी, मोहगांव - 32.2 मिमी, नारायणगंज - 17.3 मिमी, मटियारी - 15 मिमी, घुघरी - 14.6 मिमी, बीजाडांडी - 11.3 मिमी, नैनपुर - 5.1 मिमी, निवास - 2.8 मिमी, कृषि विज्ञानं केंद्र में - 1 मिमी बारिश दर्ज की गई है।

ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करने पहल शुरू, डिंडौरी में 283 मरीज

डिंडौरी। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अब ग्राम पंचायतों को भी टीबी मुक्त करने के लिए पहल शुरू की जा रही है। अभियान का शुभारंभ गत दिवस भोपाल में किया गया है। अभी तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा ही टीबी मरीजों की पहचान सहित इलाज का कार्य किया जाता रहा है। अब पंचायती राज विभाग को भी इस अभियान में शामिल कर लिया गया है। ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक अभियान से जुड़कर अपनी-अपनी ग्राम पंचायत में लोगों को समझाइश देने के साथ लक्षण के अनुसार संबंधित व्यक्ति के खखार की जांच भी कराएंगे। यदि किसी ग्राम पंचायत इस बात का दावा करती है कि उनके यहां टीबी से संबंधित मरीज नहीं हैं तो सर्वे व सत्यापन जिला स्तर की टीम द्वारा किया जाएगा। उसके बाद कलेक्टर को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने सोशल मीडिया की मदद से विंध्यवासियो से की दिल की बात

फतवा समाचार ◈ सतना

मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने सोशल मीडिया के माध्यम से विंध्यवासियों से की दिल की बात, मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी लगातार विंध्य प्रदेश पुनर्निर्माण की मांग को लेकर मुखर रहते हैं इसी के तहत आज विंध्य वासियों से दिल की बात की और अगर विंध्य का पुनर्निर्माण हो जाता है तो विंध्य प्रदेश को क्या-क्या सौगाते मिलेंगी उन्होंने जानकारी दी विंध्य प्रदेश की पार्टी और आने वाले विधानसभा चुनाव में 30 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान करने के बाद मैहर से भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने आज सोशल मीडिया के फेसबुक में लाइव आकर के प्रदेश की सरकार और सीएम शिवराज को घेरते हुए किसानों के बिजली की समस्या, पानी,शिक्षा गरीब रेखा के कार्ड की समस्या

25 हजार लोगो को रोजगार,3000 का बेरोजगारी भत्ता का किया वादा

जारी किया विंध्य के लिए घोषणा

,बेरोजगारी आशा कार्यकर्ता के नियमतिकरण, डॉक्टरों की हड़ताल जैसे तमाम मुद्दे पर बात की और साथ ही साथ विन्ध्य प्रदेश बनने के बाद एक तरह का घोषणा पत्र भी जारी कर दिया है जहा उन्होंने 1 साल में 25 हजार से भी ज्यादा रोजगार के अवसर तथा मैहर चित्रकूट अमरकंटक धार्मिक कॉरिडोर रीवा - गोविंदगढ़ के आम के लिए बड़ी मंडी का निर्माण और खेल लिए युवा कल्याण विभाग से एकेडमी का निर्माण, कोल म्यूजियम ,खनिज विश्वविद्यालय और विन्ध्य के कलाकारों के लिए फिल्म सिटी, सुपारी के खिलौनों को अंतरराष्ट्रीय बाजार मुहैया कराने खजुराहो भरहुत जैसे विन्ध्य क्षेत्र के टूरिज्म को बढ़ावा देने की तमाम योजनाओं के बारे में बताया अगर यूं कहा जाए कि एक तरह से विंद जनता पार्टी का उन्होंने घोषणा पत्र जारी कर दिया है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी साथ ही विंध्यवासियो से सहयोग करने की बात कही।

कोटर में हुआ एक्सीडेंट एक की मौत, एक गंभीर घायल

सतना। श्रीधर सिंह सतना कोटर थाना क्षेत्र अंतर्गत सतना सेमारिया मार्ग उत्तम ढाबा के आगे मोड के पास रात करीब 10 बजे खराब खड़े ट्रक में 2 बाइक सवार की पीछे से जोरदार टक्कर जिसमे एक बाइक सवार कैदीलाल चौधरी ग्राम बडेरा की तत्काल मौत हो गई हैं। दूसरे बाइक सवार को पुलिस के द्वारा एंबुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भेजा उसकी भी हालत गंभीर बताई जा रही है।

राजा मैरिज गार्डन में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम को देखा तथा सुना गया

◈ अमरपाटन

राज्यमंत्री रामखेलावन ने मंगलवार को अमरपाटन के राजा मैरिज गार्डन से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुख्यातिथ्य में भोपाल में आयोजित लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम को देखा तथा सुना। मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण के पूर्व लाड़ली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम के माध्यम से लाड़ली बेटियों एवं अभिभावकों से संवाद करते हुए उनका पुष्प वर्षा कर स्वागत वंदन अभिनंदन किया। इस दौरान लाड़ली बेटियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया। साथ ही उत्कृष्ट कार्य हेतु बहनों बेटियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष अमरपाटन समर सिंह, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर परिषद तथा महिला बाल विकास अमरपाटन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

महाविद्यालय के प्रोफेसर अशोक कुमार त्रिपाठी का सेवानिवृत्ति कार्यक्रम

अभिषेक कुमार निगम ◈ अमरपाटन

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अमरपाटन में हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर अशोक कुमार त्रिपाठी का शासकीय सेवक के रूप मे सफलता कार्यकाल 30 अप्रैल को समाप्त हुआ। जिसका सेवानिवृति कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ एस पी सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन द्वारा की गई। इसके उपरांत प्रो त्रिपाठी एवं उनके परिवार के सदस्यों का समस्त महाविद्यालय परिवार द्वारा माल्यार्पण एवं शॉल श्रीफल द्वारा स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह के रूप मे श्रीराम आयोध्या मंदिर की छवि उपहार

स्वरूप प्रदान की। तदोपरांत डॉ श्रीकांत शुक्ला ने डॉ अशोक कुमार त्रिपाठी का जीवन परिचय पर प्रकाश डाला कि अपनी सेवा काल मे किस-किस महाविद्यालय में सेवा दी और उनका मार्गदर्शन व सहयोग महाविद्यालय के लिए बहुत उपयोगी रहा बताया। इसके बाद प्रोफेसर केएन मिश्र, प्रोफेसर सतीश पाठक, क्रीड़ा अधिकारी डॉ शशिकांत सिंह एवं कार्यालय के रावेंद्र द्विवेदी ने अपने उद्बोधन मे प्रो त्रिपाठी के साथ बिताए पलो को याद करते हुए उनके विद्वता का बखान किया। तदुपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ अशोक कुमार त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में समस्त महाविद्यालय परिवार को धन्यवाद देते हुए अपने सेवाकाल में बीते कुछ पलों को याद किया एवं सभी के सहयोग की तारीफ की। अंत मे प्राचार्य डॉ एस पी सिंह ने सफलतम सेवाकाल समाप्ति की बधाई देते हुए उनके व्यक्तित्व की तारीफ करते हुए उनके साथ बिताए दिनों के बारे में बताया। कार्यक्रम मे मंच संचालन डॉ सुबोध शुक्ला द्वारा किया गया।

लाड़ली लक्ष्मी उत्सव धूमधाम से मनाया गया

फतवा समाचार ◈ रीवा

सांसद एवं रीवा विधायक ने लाड़ली लक्ष्मियों को आश्वासन प्रमाण पत्र बांटे, उत्कृष्ट कार्य करने वाली लाड़ली बेटियों का किया गया सम्मान

प्रदेश के साथ जिले के नगरीय निकाय व ग्राम पंचायत स्तर में भी लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का आयोजन किया गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास में आयोजित लाड़ली लक्ष्मी कार्यक्रम में भाग लिया तथा बेटियों को शुभ आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री जी का उद्बोधन एवं समस्त कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को देखा एवं सुना गया।

नगर निगम टाउन हाल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना बेटियों को उनके लक्ष्य की प्राप्ति में मददगार साबित हो रही है। सरकार के योगदान से समाज आगे बढ़ रहा है। अब बेटियों के आने से घर में खुशी मनाई जाने लगी है। अब बेटियां बोझ नहीं समझी जातीं। यह सब संभव हुआ है प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रारंभ की गई लाड़ली लक्ष्मी योजना से। यह योजना बेटियों को जन्म से लेकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने तक मददगार है। उन्होंने बेटियों के अभिभावकों से अपील की कि अपनी बेटियों की अच्छी ढंग से परवरिश करें। सांसद ने कहा कि अब महिलाओं को भी आर्थिक तौर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से लाड़ली बहना योजना आरंभ की गई है। इसका भी लाभ लें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रीवा विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि बेटियों के प्रति समाज में सम्मान बढ़ा है। बेटियों के जन्म पर बधाइयां दी जाती हैं। हमारी बेटियां किसी भी मामले में किसी से पीछे नहीं हैं। रीवा जिले में एक लाख 34 हजार लाड़ली लक्ष्मी बेटियां इस योजना का लाभ ले रही हैं, जो बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि रीवा के विकास से सभी का विकास होगा। बेटियां भी आगे बढ़ेंगी और आगे आने वाले समय में जब रीवा स्वच्छता में प्रदेश में पहले स्थान पर होगा और विकसित रीवा बनेगा तो लाड़ली लक्ष्मी का वृहद सम्मेलन होगा जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री जी को भी आमंत्रित किया जाएगा।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि बेटियों के प्रति नकारात्मक मानसिकता को बदलने के उद्देश्य से यह योजना आरंभ की गई थी। जिले में बड़ी संख्या में लाडली लक्ष्मियां इस योजना के सकारात्मक पहलू का प्रमाण हैं। उन्होंने बेटियों से कहा कि अपने हुनर का उपयोग करें। तथा शिक्षित हों क्योंकि शिक्षा ही सफलता की सीढ़ी है। आने वाले समय में लाड़ली बहना योजना भी महिलाओं को सशक्त करने का माध्यम बनेगी।कार्यक्रम में आयुक्त नगर निगम श्रीमती संस्कृति जैन ने कहा कि यह योजना एक आंदोलन है जो बेटियों को आगे ले जाने में मदद कर रहा है तथा उनको शक्ति दे रहा है। उन्होंने कहा कि परिवार की भागीदारी से ही सशक्त बनने में मदद मिलती है। कार्यक्रम में लाडली बेटियां अंशिका सिंह एवं समृद्धि शुक्ला ने अपने अनुभव साझा किए तथा काव्य पाठ किया। अपर्णा द्विवेदी ने स्वागत उद्बोधन दिया। लाड़ली क्लब की अध्यक्ष सौम्या पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लाडली पंचायत खौर के सरपंच अजय कुमार दाहिया को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मरियम, आलिया, खुशी साकेत, अफसर अंसारी एवं अन्य लाड़ली बेटियों को आश्वासन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला पंचायत के सीईओ डॉ सौरव सोनवणे, विधायक प्रतिनिधि विवेक दुबे, अधीक्षण यंत्री शैलेंद्र शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय, परियोजना अधिकारी जीवेन्द्र सिंह सहित जनप्रतिनिधि, लाड़ली बालिकाएं एवं उनके परिजन, लाड़ली क्लब की अध्यक्ष, सदस्य, वार्ड पार्षद व स्थानीय जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। लाड़ली उत्सव आयोजन की श्रंखला में लाड़ली लक्ष्मी वाटिका में पार्षद द्वारा वृक्षारोपण किया गया।

सशक्त बेटियों से ही समाज होगा सशक्तः विधायक शुक्ल

नरेंद्र त्रिपाठी ◈ सीधी

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया लाड़ली लक्ष्मी उत्सव

प्रदेश के साथ-साथ सीधी जिले में भी लाडली लक्ष्मी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सभी नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायतों में लाड़ली लक्ष्मी उत्सव का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लाड़ली लक्ष्मी बेटियों द्वारा योजना से उनके जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तन के विषय में बताया गया। साथ ही उनके द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली लाड़ली लक्ष्मी बेटियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। उपस्थित जनों ने मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के उद्बोधन का सीधा प्रसारण देखा सुना।

संजय गांधी स्मृति महाविद्यालय के अटल ऑडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में विधायक सीधी केदारनाथ शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह तथा कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा पुष्प वर्षा कर लाड़ली लक्ष्मी बेटियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक श्री शुक्ल ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान ने समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित किया है। आज घर-घर में बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाया जाता है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के माध्यम से सरकार ने बेटी के जन्म से उसके पोषण और शिक्षा की जिम्मेदारी ली है। विधायक ने कहा कि आज बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं है। बेटियों को अवसर दें जिससे वह आगे बढ़ सकें। सशक्त बेटियों से ही समाज सशक्त होगा। विधायक श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश महिला सशक्तिकरण की दिशा में देश की अगुवाई कर रहा है। लाड़ली लक्ष्मी योजना के बाद अब मुख्यमंत्री जी ने मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना के माध्यम से प्रत्येक पात्र हितग्राही को प्रत्येक माह एक हजार रुपए की राशि उनके खाते में प्राप्त होगी। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। विधायक श्री शुक्ल ने कहा कि महिला बाल विकास विभाग के आंगनवाड़ी केन्द्रों, कार्यकर्ता एवं सहायिका की सक्रियता से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की सोच में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं। पोषण आहार वितरण के साथ ही इनके माध्यम से अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं का भी प्रभावी क्रियान्वयन हो पा रहा है। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान तथा विकास यात्रा की सफलता में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। अब 10 मई से मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का द्वितीय चरण संचालित होगा जिसमें छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस अभियान की सफलता के लिए विधायक ने जन प्रतिनिधियों, समाजसेवियों तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों का आहवान किया है जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के हितलाभ से वंचित नहीं रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के सकारात्मक परिणाम हमें आज दिखाई दे रहे हैं।

विधायक ,कलेक्टर ने लाडली लक्ष्मी वाटिका में किया वृक्षा रोपण

सूर्य प्रकाश त्रिपाठी ◈ सिंगरौली

लाडली लक्ष्मी उत्सव कार्यक्रम के पश्चात देवसर विधानसभा के विधायक सुभाष रामचरित बर्मा, कलेक्टर अरूण परमार, पार्षद संतोष शाह सहित के द्वारा नवजीवन विहार में स्थित लाडली लक्ष्मी वाटिका में पहुंचकर वृक्षा रोपण किया गया। इस दौरान वरिष्ट समाजसेवी रवि पाण्डेय, महिला बाल विकास अधिकारी राजेश गुप्ता, सहायक यंत्री नगर निगम दिनेश तिवारी, जन सम्पर्क अधिकारी बी.के शर्मा, उपयंत्री अनुज सिंह के द्वारा भी लाडली लक्ष्मी वाटिका में वृक्षा रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

अपर कलेक्टर ने 88 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

फतवा समाचार ◈ रीवा

आमजनता के आवेदन पत्रों की सुनवाई के लिए कलेक्ट्रेट सभागार में जन सुनवाई का आयोजन किया गया। अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री ने जन सुनवाई में आमजनता से प्राप्त 88 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी संवेदनशीलता से जन सुनवाई के आवेदनों का निराकरण करें। आवेदनों के निराकरण का प्रतिवेदन हर सप्ताह प्रस्तुत करें। जिला शिक्षा अधिकारी अनुकंपा नियुक्ति तथा पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए विकासखण्ड स्तर पर शिविर लगाएं। इनके कई आवेदन जन सुनवाई में लगातार प्राप्त हो रहे हैं। जन सुनवाई में सीमांकन, बंटवारा, जमीन से अवैध कब्जा हटाने, उपचार सहायता, पेंशन प्रकरणों के निराकरण, हैण्डपंपों में सुधार, नाली निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, सहित विभिन्न विभागों के आवेदनों पर सुनवाई की गई।

जन सुनवाई में राघवशरण सिंह निवासी मझगवां ने जमीन के सीमांकन तथा सीमा बंदोबस्ती का सत्यापन कराने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार मनगवां को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। राजकुमारी पटेल निवासी कैथा ने भू अर्जन की राशि प्रदान करने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने प्रभारी अधिकारी भू अर्जन को आवेदन में कार्यवाही के निर्देश दिए। गोविंदलाल विश्वकर्मा निवासी बदवार ने खसरे में सुधार कर जमीन में कब्जा दिलाने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार गुढ़ को प्रकरण के निराकरण के निर्देश दिए। रामस्वयंवर मिश्रा निवासी बरेहीं ने नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को तीन दिवस में नक्शा तरमीम कराने के निर्देश दिए। जन सुनवाई में अशोक तिवारी निवासी लखौरी बाग ने रघुराजसागर तालाब में हो रहे अवैध निर्माण को रोकने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को मौके पर जाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। कालिंदी शुक्ला निवासी ग्राम खैरा ने नक्शा तरमीम के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान को नक्शा तरमीम कराने के निर्देश दिए। प्रहलाद पटेल निवासी बदरांव ने सरकारी जमीन से अवैध कब्जा हटाने के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने तहसीलदार हुजूर को आवेदन पत्र में कार्यवाही के निर्देश दिए। श्यामसुंदर सिंह निवासी ग्राम तिघरा ने बिजली के बिल में सुधार के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने संभागीय यंत्री विद्युत मण्डल को मीटर रीडिंग के अनुसार बिजली बिल में सुधार के निर्देश दिए। श्रद्धा श्रीवास्तव निवासी दुर्गा कालोनी रीवा ने नाली निर्माण के लिए आवेदन दिया। अपर कलेक्टर ने नगर निगम के निर्माण कार्यों के प्रभारी को प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर नीलमणि अग्निहोत्री ने लोगों की समस्याएं सुन दिए कार्रवाई के निर्देश

सिंधिया के गढ़ में टिकट के लिए घमासान

ग्वालियर चंबल में नई भाजपा और पुरानी भाजपा के अलग-अलग दावेदारों से बढ़ी परेशानी

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ ग्वालियर चंबल में नई भाजपा और पुरानी भाजपा के अलग-अलग दावेदार हैं। भाजपा में टिकटों के लिए सिंधिया समर्थक और पुराने भाजपाइयों के बीच घमासान मचेगा। सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए लोग टिकट के लिए तगड़े दावेदार हैं, तो वहीं पुराने भाजपाई भी टिकट की दौड़ में लगे हैं। ग्वालियर पूर्व विधानसभा सीट पर कांग्रेस के सतीश सिकरवार एमएलए हैं। इस सीट पर भाजपा के सिंधिया समर्थक मुन्नालाल गोयल सबसे बड़े दावेदार हैं। इसी सीट पर पुराने भाजपाई जय सिंह कुशवाहा, माया सिंह, अनूप मिश्रा की दावेदारी भी सामने आ रही है। ग्वालियर दक्षिण विधानसभा सीट पर कांग्रेस के प्रवीण पाठक एमएलए हैं। इस सीट से पुराने भाजपाई पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, जय भान सिंह पवैया, अनूप मिश्रा, प्रियांशु शेजवलकर, अभय चौधरी बड़े दावेदार हैं। वहीं, नई भाजपा यानी सिंधिया समर्थक मदन कुशवाहा टिकट के लिए दावेदारी कर रहे हैं।

इनके बीच चल रही दावेदारी-इसके साथ ही पूर्व मेयर समीक्षा गुप्ता और पूर्व जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी भी सिंधिया के सहारे टिकट की दौड़ में बने हुए हैं। ग्वालियर विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रद्युम्न सिंह सिंह तोमर एमएलए हैं। इस सीट पर तोमर टिकट के सबसे बड़े दावेदार हैं। इसी सीट पर पुराने भाजपाई जयभान सिंह पवैया और केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर की अंदरूनी दावेदारी चल रही है।

कांग्रेस ने कसा तंज-इन तीनों सीटों पर टिकट के लिए भाजपा के अलग-अलग नेताओं की दावेदारी पर कांग्रेस ने तंज कसा है। कांग्रेस का दावा है कि भाजपा में इन सीटों पर गुटबाजी साफ तौर पर सामने आ रही है। भाजपा की गुटबाजी का लाभ कांग्रेस को मिलेगा। विधानसभा चुनाव में ग्वालियर की सभी 3 सीटों पर कांग्रेस जीत दर्ज करेगी। उधर, इस दावेदारी को लेकर भाजपा का कहना है कि पार्टी में हर सीट पर चुनाव लडने वाले दमदार नेताओं की फौज है। यही वजह है कि टिकट के लिए एक से ज्यादा दावेदार सामने आ रहे हैं। भाजपा का कहना है कि टिकट के लिए दावेदारी करना सभी का हक है, लेकिन टिकट किसको मिलेगा यह आलाकमान ही तय करता है।

जयस की सुलह बैठक बेअसर, गुटबाजी बरकरार

प्रदेश में आदिवासियों के सबसे बड़े सामाजिक संगठन बन चुके जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस)के नेताओं के बीच गुटबाजी बरकरार है। पिछले दिनों नेताओं ने खलघाट में लंबी बैठक के बाद मतभेद खत्म कर एक साथ काम करने का ऐलान किया था। लेकिन बैठक का असर नेताओं पर ज्यादा दिन तक नहीं रहा। मौजूदा स्थिति में दो नेता खुद को जयस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बता रहे हैं। इनमें से एक गुट ने नियुक्तियां करना भी शुरू कर दिया है। दूसरे नेता कांग्रेस से विधायक हैं और जसस का संरक्षक बता रहे हैं। जयस के संस्थापक सदस्यों में शामिल डॉ हिरालाल अलावा अपने ट्वीटर पर खुद को कांग्रेस विधायक के साथ-साथ जयस का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बता रहे हैं। जबकि जयस के प्रदेशाध्यक्ष रामदेव ककोडिया ने इंदौर में जिला अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की हैं। इस नियुक्ति पत्र में जयस के राष्ट्रीय अध्यक्ष लोकेश मुजाल्दा हैं। जबकि संस्थापक सदस्य विक्रम अछालिया हैं। जयस के इस नियुक्ति पत्र में अन्य पदाधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। खास बात यह है दोनों ही गुट के नेता एक दूसरे को राष्ट्रीय अध्यक्ष मानने को तैयार नहीं है। इस संबंध में डॉ हिरालाल अलावा ने बताया कि संरक्षक वे ही हैं, आप मानो या न मानो।

रैपिड न्यूज

हाईकोर्ट में सात नए न्यायाधीशों ने ग्रहण की शपथ

भोपाल। जबलपुर हाईकोर्ट की मुख्यपीठ के साउथ ब्लॉक में आयोजित गरिमामय आयोजन में नव नियुक्त सात न्यायाधीशों को हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ दिलवाई गई। मुख्य प्रदेश हाईकोर्ट में स्वीकृत न्यायाधीशों की संख्या 53 है। नव नियुक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति के बाद हाईकोर्ट में पदस्थ न्यायाधीशों की संख्या 37 हो गई है। न्यायाधीशों के 16 पद अभी भी रिक्त हैं। गरिमामय समारोह में हाईकोर्ट रजिस्टार राजकुमार चौबे ने राष्टपति द्वारा जारी नियुक्ति वारंट का वाचन किया। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमठ ने नव नियुक्त न्यायाधीश रूपेष चंद्र वषर्ने, अनुराधा शुक्ला, संजीव कुमार कलगांवकर, प्रेम नारायण सिंह, अचल कुमार पालीवार, हदेश तथा अरविंद कुमार सिंह को हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ दिलवाई। जिला न्यायाधीश के पद से रूपेष चंद्र वषर्ने दिसम्बर 2022 में सेवानिवृत्त हो गए थे। हाईकोर्ट जज के लिए उनका नाम सेवानिवृत्त के पूर्व भेजा दिया गया था। जस्टिस अनुराधा शुक्ला रतलाम में, जस्टिस प्रेम नारायण सिंह ग्वालियर में, जस्टिस अचल कुमार पालीवार विदिशा में, जस्टिस हदेश छतरपुर में तथा जस्टिस अरविंद कुमार सिंह धार जिले में जिला व सत्र न्यायालय में पदस्थ थे। जस्टिस संजीव कुमार कलगांवकर विशेष कर्तव्य अधिकारी के रूप में सर्वोच्च न्यायालय में पदस्थ थे।

सरकार की किरकिरी कराने वाले अफसरों को नसीहत

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार की किरकिरी कराने वाले अफसरों को नसीहत दी गई है। सामान्य प्रशासन विभाग ने न्यायालयीन प्रकरणों के प्रभारी अधिकारियों द्वारा की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध में निर्देश जारी किया है। जिसमें कहा गया कि अधिकारी कोर्ट में शिष्टाचार के साथ पेश होंगे। जींस की जगह पैंट शर्ट पहन कर जवाब देंगे। कोर्ट में सिर्फ राजपत्रित अधिकारी ही पेश होंगे। सरकार कोर्ट में बिना तथ्य जानकारी पेश करने पर अधिकारियों को कई बार फटकार लगा चुकी है। सरकार ने जो दिशा निर्देश दिया है उसके अनुसार प्रत्येक प्रभारी अधिकारी को प्रकरण के तथ्यों की पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के पश्चात आवश्यक तैयारी के साथ राज्य के महाधिवक्ता के कार्यालय में स्वयं उपस्थित होना

बांधों पर बनेंगे हट्स रेस्टोरेंट, पर्यटक कर सकेंगे बोटिंग

भोपाल। फसलों की सिंचाई और लोगों की प्यास बुझाने वाले प्रदेश के बांधों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की तैयारी है। सैलानियों को आकर्षित करने के लिए बांधों पर हरियाली के साथ हट्स, रेस्टोरेंट बनाने व बोटिंग कराने की योजना है। जिससे लोग यहां आकर आनंदित हों। इसके लिए बांधों को चिन्हित कस उन पर कार्य कराए जाएंगे। इससे क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी वहीं बांधों की बदहाली भी दूर होगी। जिन बांधों पर अतिक्रमण है उन्हें प्रशासन द्वारा मुक्त कराया जाएगा। बांधों के पर्यटन स्थल बनने से सरकार के खजाने में भी वृद्धि होगी। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बांधों को हम टूरिज्म के हिसाब से विकसित कराया जाएगा। प्रदेश में सैकड़ों बांध हैं। उनमें से कई प्राकृतिक रूप से काफी अच्छे हैं। लेकिन पिछले कई सालों से अनदेखी के कारण ये बांध और इनके कैचमेंट एरिया दुर्दशा का शिकार हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री चौहान की अध्यक्षता में हुई म.प्र. राज्य नीति आयोग की बैठक

क्रियान्वित की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के अध्ययन के लिए एक केंद्र विकसित किया जाए

नीति आयोग ने सराहा प्रदेश के आकांक्षी जिलों में हुए कार्यों को

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में क्रियान्वित की जा रही योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रभावशीलता के अध्ययन के लिए एक केंद्र विकसित किया जाए। प्रभावशीलता के व्यवहारिक आकलन के लिए विश्वविद्यालयों और विकास संस्थान के विशेषज्ञों को जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के आलोक में मध्यप्रदेश में कारीगरों के उन्नयन और कौशल विकास के लिए रोड मेप तैयार हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान म.प्र. राज्य नीति आयोग की चौथी बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन संस्थान के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री अजीत केसरी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश की प्रगति पर केंद्रित पुस्तिका का प्रकाशन करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में लोग मत्स्य-पालन पर निर्भर हैं। अतः मध्यप्रदेश मत्स्य नीति और मत्स्य गतिविधियों पर पीपीपी मोड में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित करने संबंधी कार्य समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। प्रदेश में जन सेवा मित्र बेहतर कार्य कर रहे हैं। इनकी गतिविधियों का विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेस को मध्यप्रदेश की परिस्थितियों और आवश्यकताओं के अनुसार चिन्हित कर उन्हें लागू करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों में जो योजनाएँ और कार्यक्रम लोगों की जिंदगी बदलने में प्रभावी रहे हैं, उनका अध्ययन कर प्रदेश में उनके क्रियान्वयन की संभावनाओं पर विचार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश की प्रगति पर केंद्रित पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जाए, इससे पिछले दशकों में प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र और अधो-संरचना में आए बदलाव की तथ्यात्मक जानकारी प्रदेशवासियों को मिल सकेगी।

रोजगार के लिये अंतर्राष्ट्रीय कनेक्ट में गतिविधियाँ जारी

जानकारी दी गई कि प्रदेश के आकांक्षी जिलों में हुए बेहतर कार्य को देखते हुए नीति आयोग द्वारा लगभग 71 करोड़ से अधिक की राशि राज्य सरकार को प्रदान की गई है। इसमें छतरपुर को सर्वाधिक 14 करोड़ 70 लाख रूपए प्राप्त हुए हैं। नीति आयोग द्वारा प्रदेश के आकांक्षी विकासखण्ड मॉडल का भी अध्ययन कराया गया है। प्रदेश में डाटा क्षेत्र में सुधार के लिए गतिविधियाँ जारी हैं। जर्मनी और आयरलेंड में नर्सिंग क्षेत्र में अपार संभावनाओं को देखते हुए रोजगार के लिये अंतर्राष्ट्रीय कनेक्ट के अंतर्गत राज्य नीति आयोग, संबंधित देशों के दूतावासों के सम्पर्क में है। बैठक में राज्य नीति आयोग से संबंधित विभिन्न प्रशासनिक मुद्दों पर चर्चा हुई और अनुमोदन दिया गया।

मुख्यमंत्री अपनी प्राथमिक कक्षा की शिक्षिकाओं को देख कर हुए भाव-विभोर

मुख्यमंत्री ने लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजभवन में हुए अखंडता का उत्सव समारोह में अपनी प्राथमिक शाला की शिक्षिकाओं को देख कर भाव-विभोर हो उठे। गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस पर राजभवन के संदीपनि सभागार में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में गुजराती और मराठी समाज के भोपाल में निवासरत गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री चौहान ने सभागार में जैसे ही श्रीमती कोकिला शेठ और श्रीमती रोहिणी फड़नीस को देखा वे तत्काल आशीर्वाद प्राप्त करने उनके पास पहुँचे, चरण स्पर्श कर उनका अभिवादन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रीमती कोकिला शेठ और श्रीमती फड़नीस ने बताया कि पुराना भोपाल क्षेत्र की मारवाड़ी रोड पर संचालित तत्कालीन गुजराती समाज प्राथमिक शाला में वे चौहान की शिक्षिका थी।

मप्र कांग्रेस के दिग्गज नेता जिम्मेदारी से नाखुश!

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर जिलेवार बांटी गई जिम्मेदारी से कांग्रेस के दिग्गज नेता नाखुश है। अपनी विधानसभा से दूर जिम्मेदारी मिलने से नेता जिले को बदलवाने में जुटे हैं। प्रदेश के 16 दिग्गज नेताओं को कमलनाथ ने चुनावी जिम्मेदारी सौंपी है। जीतू पटवारी, सुरेश पचौरी, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, कमलेश्वर पटेल, जयवर्धन सिंह, लाखन सिंह यादव को अपने जिले से दूर जिम्मेदारी मिली है। दरअसल कांग्रेस ने अपने सभी दिग्गजों को मैदान में उतार दिया है। कमलनाथ ने 16 नेताओं को चुनाव की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। जिलेवार दिग्गज नेताओं को जिम्मेदारी बांटी गई है। जातिगत, राजनीतिक समीकरण को देखते हुए जिलेवार जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये सभी नेता विधानसभा दावेदारों के पैनल, चुनावी रणनीति और आपसी समन्वय बनाएंगे।

इन नेताओं को यहां मिली जिम्मेदारी : दलित नेता फूलसिंह बरैया को श्योपुर, मुरैना, भिंड की जिम्मेदारी मिली है। अजय सिंह राहुल को मिली ग्वालियर ,दतिया, शिवपुरी की जिम्मेदारी। अरुण यादव को निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर की जिम्मेदारी। जीतू पटवारी को सतना, पन्ना, दमोह, रायसेन की कमान। सुरेश पचौरी को सिंगरौली, सीधी, रीवा, कटनी, नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह को अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, जबलपुर, तरुण भनोट को डिंडौरी, बालाघाट, सिवनी, मंडला, नरसिंहपुर, सज्जन सिंह वर्मा को छिंदवाड़ा, बैतूल, हरदा, नर्मदापुरम की कमान, बाला बच्चन को बुरहानपुर, खंडवा, धार की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मीनाक्षी नटराजन को अलीराजपुर, झाबुआ, आगर की जिम्मेदारी, कांतिलाल भूरिया को बड़वानी, खरगोन की जिम्मेदारी, कमलेश्वर पटेल को नीमच, मंदसौर, रतलाम की जिम्मेदारी, जयवर्धन सिंह को इंदौर और उज्जैन की जिम्मेदारी, रामनिवास रावत को मिली राजगढ़ और शाजापुर की कमान, केपी सिंह को गुना, अशोकनगर, विदिशा की जिम्मेदारी और लाखन सिंह यादव को मिली सीहोर और देवास की जिम्मेदारी दी गई है।

कृष्णा गौर ने गांधी परिवार को मप्र से चुनाव लड़ने का दिया चैलेंज

भोपाल। मध्यप्रदेश में मिशन 2023 की तैयारी शुरू हो गई है। चुनावी रण में उतरने के पहले नेताओं के बोल भी तेज हो गई है। सत्ता पक्ष और विपक्ष में नेताओं को ललकारने और चुनौती देने भी शुरू हो गए हैं। इसी कड़ी में बीजेपी विधायक कृष्णा गौर ने सेहरा बांध कर गांधी परिवार को गोविंदपुरा से चुनाव लड ? का चैलेंज दिया है। कृष्णा गौर का कहना है कि चाहे सोनिया गांधी चुनाव लड़ लें या राहुल गांधी या फिर प्रियंका वाड्रा चुनाव लड़ लें उन्हें भी गोविंदपुरा से सफलता नहीं मिलेगी। ये जीत का सेहरा है। गोविंदपुरा की जनता ने ये सेहरा बांधा है। गोविंदपुरा में कांग्रेस की दाल नहीं गलेगी। बता दें कि गोविंदपुरा विधानसभा से बीजेपी के विधायक कृष्णा गौर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौर की पुत्र वधू हैं। कृष्णा गौर के चैलेंज पर कांग्रेस ने पलटवार किया है। कांग्रेस के प्रभारी समन्वयक चंद्र प्रभाष शेखर ने कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी की जिलों में सभाएं होंगी। ये बड़े नेता एमपी की किसी विधानसभा के लिए नहीं आएंगे। गोविंदपुरा के लिए तो हम ही काफी हैं। कांग्रेस के पलटवार पर बीजेपी ने तंज कसा है। बीजेपी प्रवक्ता डॉ. हितेष बाजपेयी ने कहा कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस की हार सुनिश्चित है। इसलिए राहुल, प्रियंका के दौरे तय नहीं कर पा रहे है। आने वाले समय में कांग्रेस के केंद्रीय नेता अभी प्रदेश में नहीं आएंगे। बोले कि हार के चलते कांग्रेस केंद्रीय नेताओं को न्यौता नहीं दे पा रही है।

बूथ विजय संकल्प अभियान में लापरवाही मिली तो जिलाध्यक्ष पर गिर सकती है गाज

भोपाल। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे भाजपा संगठन अभियानों को लेकर और सख्त होता जा रहा है। 51 फीसदी वोट शेयर हासिल करने के लिए प्रदेश में इन दिनों बूथ विजय संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सभी मंडल और जिला अध्यक्षों को अपने-अपने इलाके में बेहतर काम करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि इस अभियान में जिलाध्यक्ष लापरवाही बरतेंगे तो उन्हें हटाने से भी भाजपा नहीं चूकेगी। भाजपा ने प्रदेश के 64100 बूथों पर यह अभियान चलाया गया। इतना ही नहीं पन्ना प्रमुखों के साथ भी प्रदेश प्रभारी अजय जामवाल से लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और अन्य नेताओं ने बूथ पर जाकर बात की। उन्हें 51 फीसदी वोट शेयर के लिए काम करने के निर्देश भी दिए। पूरे देश में बूथ विस्तारक अभियान में मध्य प्रदेश पहले नंबर पर है। लेकिन, कुछ जिले ऐसे थे जिनका प्रदर्शन संगठन के अनुकूल नहीं रहा। ऐसे जिला अध्यक्षों को बैठक के माध्यम से निर्देश दिए गए हैं कि 4 मई से 14 मई तक चलाए जाने वाले बूथ विजय संकल्प अभियान के दौरान अपना प्रदर्शन सुधार लें। यदि ऐसा नहीं होता है तो ऐसे जिला अध्यक्षों को बदला जा सकता है। वहीं अभियान में लापरवाही बरतने वाले जिला अध्यक्षों को बदलने की सुगबुगाहट पर कांग्रेस प्रवक्ता स्वदेश शर्मा का कहना है कि भाजपा भले ही 51 फीसदी वोट शेयर करने की बात कह रही हो, लेकिन जिस तरीके से विकास यात्राओं के दौरान विरोध हुआ इससे भाजपा आलाकमान समझ चुका है कि यह लक्ष्य पाना उनके लिए मुश्किल भरा काम है।

बदलाव के पहले शुरू हुई सियासत

जिला अध्यक्षों को बदले जाने की सुगबुगाहट पर भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी का कहना है कि 51 फीसदी वोट शेयर के लिए संगठन इन दिनों पूरे प्रदेश में जी-जान से जुटा हुआ है। क्योंकि, इस साल में ही चुनाव है। भाजपा अब पूरे तरीके से चुनावी मोड में है। यही कारण है कि अभियानों में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों को बदलने से पार्टी नहीं चूकेगी। भाजपा संगठन में समय-समय पर कार्यकर्ता की भूमिका के अनुसार उसकी जिम्मेदारी तय की जाती है।

तैयारी | केंद्र के समान डीए दिलाने छग से करेगी चर्चा

पेंशनरों को लुभाने कांग्रेस ने बनाई रणनीति

भोपाल। मध्य प्रदेश के साढ़े चार लाख पेंशनरों को महंगाई राहत देने की मांग को कांग्रेस चुनावी मुद्दा बना रही है। इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार के साथ चर्चा कर आपसी सहमति के प्रविधान को समाप्त कराने का वादा किया जा रहा है। दरअसल राज्य सरकार छत्तीसगढ़ से सहमति न मिलने की बात कह कर पेंशनरों को राहत देने से मना करती रही है। अभी प्रदेश में पेंशनरों को 33 प्रतिशत की दर से महंगाई राहत तथा कर्मचारियों को 38 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता दिया जा रहा है। जबकि जबकि, केंद्र सरकार 42 प्रतिशत की दर से राहत व भत्ता दे रही है। वित्त विभाग ने छत्तीसगढ़ सरकार को महंगाई राहत में वृद्धि के लिए दो बार पत्र भी लिखा लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। पेंशनरों की महंगाई राहत में वृद्धि के लिए मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच सहमति की अनिवार्यता का प्रविधान है। जब भी कर्मचारियों का महंगाई भत्ता बढ़ाया जाता है तो पेंशनरों की महंगाई राहत में वृद्धि का निर्णय लेकर वित्त विभाग छत्तीसगढ़ सरकार को सहमति देने के लिए पत्र लिखता है। इसमें समय लगता है और पेंशनरों को आर्थिक हानि भी होती है क्योंकि एरियर नहीं दिया जाता है। पेंशनर लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि छत्तीसगढ़ से सहमति लेने की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए ताकि उन्हें सरकार के निर्णय का लाभ तत्काल मिल जाए पर ऐसा नहीं हो रहा है। तत्कालीन कमल नाथ सरकार ने इसके लिए सैद्धांतिक निर्णय भी ले लिया था पर बात आगे नहीं बढ़ी। इस बीच सरकार गिर गई। शिवराज सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 38 प्रतिशत करने के साथ पेंशनरों की महंगाई राहत बढ़ाने का भी निर्णय लिया था पर यह क्रियान्वित नहीं हो पाया। दरअसल, छत्तीसगढ़ सरकार ने अब तक सहमति नहीं दी है। राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 में सहमति लेने का प्रविधान है। पेंशनर एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गणेश दत्त जोशी का कहना है कि पेंशनरों के साथ लंबे समय से अन्याय हो रहा है। महंगाई राहत में वृद्धि के लिए हमें प्रतीक्षा करनी पड़ती है। इसके लिए दोनों राज्यों के बीच सहमति की बात उठाई जाती है। जबकि, वर्ष 2017 में केंद्र सरकार कह चुकी है कि दोनों राज्य इसे समाप्त कर सकते हैं पर इस दिशा में अब तक कारगर कदम नहीं उठाया गया है। इसको लेकर पेंशनरों में नाराजगी है। संगठन के अधिवेशन में इस पर चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया जा चुका है। उधर, प्रदेश कांग्रेस ने पेंशनर एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से चर्चा में वादा किया है कि उनकी सरकार बनते ही कैबिनेट में महंगाई भत्ते के साथ-साथ राहत का लाभ देने का निर्णय लिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री रवि सक्सेना का कहना है कि सभी कर्मचारी संगठनों से उनकी समस्याओं को लेकर हमारी चर्चा हुई है।

निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव लेकर चलेंगी अप-डाउन की 14 ट्रेनें

भोपाल। निशातपुरा रेलवे स्टेशन पर जल्द ही अप-डाउन की 14 ट्रेनें ठहराव लेकर चलेंगी। इसका फायदा लाखों यात्रियों को होगा। अभी ये ट्रेनें संत हिरदाराम नगर व भोपाल रेलवे स्टेशन पर ठहराव लेकर चलती हैं। इनके ठहराव से पहले स्टेशन के यार्ड में बदलाव करने के लिए शुरू किया गया काम अगले दो दिनों में पूरा हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि तीसरी लाइन के साथ निशातपुरा यार्ड को चालू करने के लिए 20 अप्रैल से पटरी जोड़ने का काम किया जा रहा है। इसे छह मई तक खत्म करने का लक्ष्य तय किया था लेकिन यह काम तय समय से पूरा हो जाएगा। भोपाल रेल मंडल के डीआरएम सौरभ बंदोपाध्याय ने बताया कि निशातपुरा में 700 मीटर लंबे दो प्लेटफार्म, नया फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, दिव्यांगों के लिए विशेष पाथ-वे का निर्माण किया गया है। स्टेशन में अप्रोच रोड, स्टेशन भवन एवं आईलैंड प्लेटफार्म के साथ स्टेशन पर बुकिंग कार्यालय, कवर ओवर शेड, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट आदि जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

निशातपुरा स्टेशन के यार्ड में चल रहा काम अगले दो दिन में हो जाएगा पूरा

जम्मू-कश्मीर के युवाओं को एक नई दिशा दे रही है हॉकी

नई दिल्ली। जम्मू और कश्मीर में हॉकी तेजी से एक लोकप्रिय खेल बनता जा रहा है, खासकर युवाओं के बीच, और यह सब संभव हो रहा है हॉकी जम्मू और कश्मीर व राज्य स्पोर्ट्स काउंसिल की पहल के कारण। राज्य सदस्य इकाई द्वारा खेल के प्रति युवाओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए शुरू किए गए कई कार्यक्रमों में प्रशिक्षुओं को उचित बुनियादी ढांचा प्रदान करना, केंद्र शासित प्रदेश में नियमित अंतराल पर कोचिंग कैंप और टूर्नामेंट आयोजित करना शामिल है। वे विभिन्न माध्यमों जैसे सोशल मीडिया, विज्ञापन आदि के माध्यम से भी खेल को बढ़ावा दे रहे हैं। हॉकी जम्मू और कश्मीर के महासचिव सुपिंदर दीप सिंह बख्शी ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि कैसे हॉकी न केवल राज्य में फल-फूल रही है बल्कि युवा खिलाड़ियों को सकारात्मक दिशा और पर्याप्त अवसर भी प्रदान कर रही है। बख्शी ने कहा, 'सबसे पहले, हम जम्मू और कश्मीर में हॉकी बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आजकल, प्राकृतिक टर्फ (घास) के बजाय एस्ट्रोटर्फ पर हॉकी खेली जाती है और इस तथ्य को देखते हुए कि जम्मू और कश्मीर में केवल एक एस्ट्रोटर्फ था, हालांकि, पिछले साल जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल ने जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में अधिक एस्ट्रोटर्फ स्थापित करने का फैसला किया था।'

उन्होंने कहा, 'हाल ही में, तीन नए एस्ट्रोटर्फ बनाए गए - एक पुलवामा में और दो श्रीनगर में और युवाओं ने पहले ही उन पर अभ्यास करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, 2-3 एस्ट्रोटर्फ निर्माणाधीन हैं और कुछ महीनों में चालू हो जाएंगे।' हाल के दिनों में, हॉकी जम्मू-कश्मीर ने मौसम की स्थिति और उच्च सुरक्षा स्थितियों जैसी चुनौतियों का सामना करने के बावजूद विभिन्न जिलों में आयु वर्ग के कई टूर्नामेंटों का सफलतापूर्वक आयोजन किया है। इस वर्ष मार्च में, सीनियर हॉकी टूर्नामेंट (पुरुष) का आयोजन जिला जम्मू के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में हॉकी जम्मू-कश्मीर द्वारा किया गया था और जम्मू-कश्मीर स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा प्रायोजित किया गया था, जबकि अप्रैल में, जूनियर हॉकी टूर्नामेंट (पुरुष) जम्मू में आयोजित किया गया था और इसमें आठ टीमों की भागीदारी देखी गई थी । विशेष रूप से, ये स्थानीय टूर्नामेंट हॉकी इंडिया के दूरदर्शी कार्यक्रम - 'हॉकी इंडिया का अभियान हर घर हो हॉकी की पहचान' के साथ संरेखित हैं, जिसका हाल ही में उन क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए अनावरण किया गया था जहां हॉकी इतनी लोकप्रिय नहीं है। यह पहल युवा प्रतिभाओं की खोज और पोषण पर भी केंद्रित है। बख्शी ने कहा, 'यह हॉकी इंडिया की एक बेहतरीन पहल है और उसी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए, हमने प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करने के लिए जम्मू-कश्मीर के दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित स्कूलों और अन्य संस्थानों को हॉकी कोच प्रदान करने का निर्णय लिया है।' जम्मू-कश्मीर में हर स्तर पर हॉकी के विकास के बारे में बात करते हुए, बख्शी ने कहा, 'हमने हाल ही में सभी आयु समूहों में कुछ अच्छे टूर्नामेंट आयोजित किए और वह भी एस्ट्रोटर्फ्स पर। इसमें 150-200 खिलाड़ियों की भागीदारी देखी गई। इसके अलावा, जम्मू में हॉकी प्रशिक्षण शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, जबकि कश्मीर में, टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविर शीघ्र ही शुरू होंगे, क्योंकि इस क्षेत्र में गर्मियां आ रही हैं। उन्होंने कहा, हम कठुआ, पुंछ आदि जैसे अन्य जिलों में भी हॉकी कार्यक्रम आयोजित करते हैं। हमने अब तक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में होने वाले टूर्नामेंट और प्रशिक्षण शिविरों में 600-700 खिलाड़ियों की भागीदारी देखी है। हम प्रायोजकों की भी सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं जो हमें उन शेष जिलों को कवर करने में मदद कर सकते हैं जहां हॉकी अभी शुरू नहीं हुई है।'

इस बीच, बख्शी ने खुलासा किया कि हॉकी जम्मू-कश्मीर मई के पहले सप्ताह में जम्मू के केके हक्कू हॉकी स्टेडियम में सीनियर हॉकी टूर्नामेंट (पुरुष) का आयोजन करेगा और इसे जम्मू-कश्मीर खेल परिषद द्वारा प्रायोजित किया जाएगा। इसके अलावा, स्टिक, बॉल और अन्य आवश्यक वस्तुओं सहित हॉकी उपकरण, जो हाल ही में हॉकी इंडिया द्वारा अपनी राज्य सदस्य इकाइयों को प्रदान किए गए थे, टूर्नामेंट के उद्घाटन या अंतिम दिन खिलाड़ियों के बीच वितरित किए जाएंगे, जिसमें आठ टीमें भाग लेंगी।

इसके अलावा, बख्शी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे हॉकी उन युवाओं की मदद कर रही है जो जम्मू और कश्मीर के अशांत क्षेत्रों से आते हैं और हिंसा की चपेट में हैं। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के युवाओं को सही रास्ते पर लाने में हॉकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जो कोई भी हॉकी खेलता है उसका दिमाग पूरी तरह से खेल के प्रति समर्पित होता है और वह अप्रासंगिक चीजों से विचलित नहीं होता है। आज तक, हमने यूटी के किसी भी हॉकी खिलाड़ी के बारे में किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल होने के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि हॉकी जम्मू-कश्मीर के अधिकतम क्षेत्रों में लोकप्रियता हासिल करे और छोटे बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करे, हम समाचार पत्रों, सोशल मीडिया में विज्ञापन पोस्ट करते हैं, और किसी भी स्थानीय टूर्नामेंट के आयोजन से पहले विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग लगाते हैं। ये रणनीतियाँ निश्चित रूप से मददगार हैं क्योंकि हमने देखा है कि अधिक से अधिक युवा अब हॉकी प्रशिक्षण शिविरों में अपना नामांकन करा रहे हैं और माता-पिता भी अपने बच्चों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

स्पिनरों को पढ़ने की कला में माहिर हैं शुभमन गिल: हरभजन सिंह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 की टेबल-टॉपर्स गुजरात टाइटन्स की टीम मंगलवार शाम को अपने घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का सामना करेगी। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम एक मिशन पर है और लगातार यह साबित कर रही है कि उन्हें आईपीएल की एक शक्तिशाली टीम क्यों माना जाता है। गुजरात टाइटंस की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह किसी एक खिलाड़ी के प्रदर्शन पर निर्भर नहीं रहती है। हालांकि, युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल अपनी टीम को लगातार अच्छी शुरूआत दे रहे हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी टीम के लिए अहम है। भारत के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज की लगातार बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए चारों ओर प्रशंसा हो रही है। भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने दावा किया है कि पंजाब का क्रिकेटर लंबे समय तक सभी प्रारूपों में भारतीय क्रिकेट की सेवा करेगा। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव में हरभजन सिंह ने कहा, सभी की निगाहें अगले कुछ वर्षों तक शुभमन गिल पर होंगी। वह क्रिकेट की गेंद के सही टाइमर की तरह दिखते हैं। वह बड़ी पारियां खेलेंगे और कई प्रारूपों में भारत के लिए खेलेंगे।आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए प्रदर्शन ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया होगा। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर को गिल जिस तरह से स्पिनरों का सामना करते हैं वह पसंद है जो उन्हें एक विशेष खिलाड़ी बनाता है। मांजरेकर ने कहा, ₹जब स्पिनर आक्रमण में होते हैं, शुभमन गिल विकेट पर रहते हैं, और यह गुजरात के लिए अच्छा रहा है। वह स्पिनरों को अच्छी तरह से पढ़ते हैं और अतिरिक्त जोखिम नहीं लेते हैं। मांजरेकर की राय का समर्थन करते हुए भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन ने भी गिल के महारत की सराहना की। हरभजन ने कहा, गिल स्पिनरों के खिलाफ काफी सहज हैं। वह इस कला में माहिर हैं। अगर स्पिनर गिल को आगे आकर खेलने के लिए मजबूर करते हैं तो उनका ध्यान नहीं भटकता।

आरसीबी-एलएसजी मैच के बाद भिड़े कोहली गंभीर और नवीन-उल-हक, तीनों पर लगा जुर्माना

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर गौतम गंभीर और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। गंभीर और कोहली ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.21 के तहत स्तर 2 के अपराध को स्वीकार कर लिया है। कोहली और गंभीर के अलावा लखनऊ के गेंदबाज नवीन-उल-हक पर भी आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। नवीन-उल-हक ने आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.21 के तहत स्तर 1 के अपराध को स्वीकार कर लिया है। दरअसल मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के तहत खेले गए मैच के तहत विराट कोहली और गौतम गंभीर को आपस में भिड़ते हुए देखा गया। यह मामला मैच के बाद हुआ। मुकाबले में बेंगलुरु ने लखनऊ को उसी के घर में 18 रनों से शिकस्त दी। मैच के बाद सभी खिलाड़ी मिल रहे थे, तभी गंभीर और कोहली के बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हो गई, जिसके बाद अन्य खिलाड़ियों को बीच बचाव के लिए आना पड़ा। इसकी शुरूआत अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन-उल-हक से हुई। नवीन जब बल्लेबाजी करने आए तो उन्होंने कोहली से कुछ कहा। जिसके बाद अमित मिश्रा और अंपायर ने हस्तक्षेप कर मामले को शांत किया। मैच के बाद नवीन ने कोहली से हाथ मिलाते हुए फिर से कुछ कहा, जिसके बाद ग्लेन मैक्सवेल नवीन को कोहली से दूर ले गए। इसके बाद, कोहली जब गंभीर को बता रहे थे कि वास्तव में क्या हुआ, तो पूरी तरह से विवाद हो गया।

फैन ने कोहली के पैर छुए

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु मुकाबले मुकाबले के दौरान जब मेहमान टीम बल्लेबाजी कर रही थी तो एक फैन बाउंड्री पर फील्डिंग कर रहे विराट कोहली से मिलने मैदान में आ गया। फैन ने तुरंत ही लॉन्ग ऑफ की बाउंड्री पर खड़े कोहली के पैर छू लिए जिसके बाद पूर्व कप्तान ने उसे गले से लगा लिया। कोहली के इस काम को सोशल मीडिया पर जमकर सराहा जा रहा है। वहीं मैच के बाद विराट कोहली और गौतम गंभीर में तीखी-बहस देखने को मिली। दोनों बीच मैदान पर भिड़ गए। बहस बढ़ते देख एलएसजी के कप्तान केएल राहुल और सीनियर खिलाड़ी अमित मिश्रा ने बीच-बचाव कर मामला संभाला। लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार रात दोनों सीनियर खिलाड़ियों के बीच झगड़ा मैच के बाद शुरू हुआ। तब दोनों टीमें आपस में हाथ मिला रही थीं। इस झड़प के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी होने लगे हैं। बहस से पहले बेंगलुरु ने लखनऊ को 18 रन से मैच हराकर अपने होम ग्राउंड पर पिछली मिली हार का बदला लिया। इस लो-स्कोरिंग मैच में केएल राहुल चोटिल होने के बाद 11वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे, नवीन उल-हक ने फाफ डु प्लेसिस का आसान कैच छोड़ा और बर्थडे पर विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा मैच देखने के लिए लखनऊ पहुंचीं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप :

हुसामुद्दीन ने जीत के साथ की शुरूआत, वरिंदर बाहर

नई दिल्ली। मोहम्मद हुसामुद्दीन ने सोमवार को उज्बेकिस्तान के ताशकंद में पहले दौर में शानदार जीत दर्ज करके आईबीए मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2023 में भारत के अभियान की शानदार शुरूआत की। दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता हुसामुद्दीन ने 57 किग्रा वर्ग के शुरूआती दौर में मैसेडोनियन प्रतिद्वंद्वी एलेन रुस्तमोवस्की को 5-0 से आसानी से हरा दिया। तेलंगाना में जन्मे मुक्केबाज ने बाउट की सतर्क शुरूआत की। अपनी ताकत और तकनीकी क्षमता का उपयोग करते हुए, हुसामुद्दीन सटीक रूप से मुक्के मारने और सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल करने में सक्षम थे। हालाँकि, 60 किग्रा वर्ग में, वरिंदर सिंह उज्बेकिस्तान के मुजीबिलो तुसुनोव के खिलाफ 5-0 से हार गए और प्रतियोगिता से बाहर हो गए। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने विश्व चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए 13 सदस्यीय दल को मैदान में उतारा है, जिसमें 107 देशों के कई ओलंपिक पदक विजेताओं सहित 538 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। अब तक, कुल सात भारतीय पुरुष मुक्केबाजों ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पदक जीते हैं, वर्तमान दल अब अगले पखवाड़े में ताशकंद में उस संख्या को बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

बृजभूषण सिंह ने कहा- गर्दन कटवा लो, लेकिन टूर्नामेंट होने दो

धरना दे रहे पहलवानों पर लगाया युवाओं का करियर खराब करने का आरोप

नई दिल्ली। यौन शोषण का आरोप झेल रहे भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों पर मीडिया के माध्यम से जमकर बरसे और कहा कि चाहो तो मेरी गर्दन कटवा लो, लेकिन कुश्ती के टूर्नामेंट मत रोको। उन्होंने आज तक से बात करते हुए कहा कि मैं उन खिलाड़ियों से अपील करना चाहता हूं जो अंडर-15 के खिलाड़ी हैं, जूनियर हैं या फिर अंडर-23 के हैं वो धरना दे रहे पहलवानों से कहें कि वो चाहें तो मेरी गर्दन उतार लें, लेकिन बच्चों का खेल नहीं रोकें। बृजभूषण सिंह ने आगे कहा कि धरना दे रहे पहलवान बच्चों का खेल जबरदस्ती रोक रहे हैं और ऐसा ना करें। ये हिन्दुस्तान के लिए बहुत ही नाजुक वक्त है और जो कुश्ती हमारे देश में खेल की लिस्ट में 17वें या 18वें नंबर पर होती थी उसे आज मैं दूसरे या तीसरे नंबर पर लेकर आया हूं। पिछले चार महीनों से इस खेल की सारी गतिविधियां पूरी तरह से ठप है। खिलाड़ियों के अभिभावक जो कर्ज लेकर दूध, घी या अन्य चीजों की व्यवस्था करते हैं, अगर वो बच्चे खेल में हिस्सा ही नहीं लेंगे, लड़ ही नहीं पाएंगे तो उनके करियर का क्या होगा। उन्होंने धरना दे रहे पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक के बारे में कहा कि इन खिलाड़ियों का करियर पूरी तरह से खत्म हो चुका है और ये अपना करियर खत्म कर चुके हैं और ये अब एक भी टूर्नामेंट के लिए सेलेक्ट होने के लायक नहीं बचे हैं। अगर ये किसी भी टूर्नामेंट के लिए सेलेक्ट हो जाएं तो मुझे कहिएगा। अब नए-नए बच्चे सामने आ रहे हैं, लेकिन ये धरना दे रहे पहलवान उन बच्चों का करियर खत्म कर रहे हैं। मैं अपील करना चाहता हूं उन अभिभावकों से कि आप अपने बच्चों के बारे में सोचो। आप बच्चों को प्रैक्टिस क्यों करवाते हैं और अगर उनका टूर्नामेंट ही नहीं होगा तो वो एशिया चैंपियनशिप, वर्ल्ड चैंपियनशिप में कैसे हिस्सा लेंगे। मुझे गाली दो या सजा दो, टूर्नामेंट मत रोको

लोग खेल को क्यों रोकना चाहते हैं

बृजभूषण सिंह ने कहा कि वो लोग खेल को क्यों रोकना चाहते हैं इनसे पूछो कि वो ऐसा क्यों करना चाहते हैं। मैं तो रुकने के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं अगर रुक जाउंगा को इन सारे टूर्नामेंट की व्यवस्था ये करवाएं या फिर सरकार करे किसी भी हार में खेल नहीं रुकना चाहिए। मैं अपील करना चाहता हूं कि मुझे गाली दो या फिर सजा दो, लेकिन टूर्नामेंट मत रोको खेल होना चाहिए कैंप चलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोगों में इतनी पीड़ा है कि एक बार में बोल दूं तो जंतर-मंतर पर इतनी भीड़ पहुंच जाएगी जितनी कभी वहां पर पहुंची नहीं होगी।

एशिया कप कैंसिल हो सकता है

इस्लामाबाद। इस साल सितंबर में पाकिस्तान में होने वाला एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट कैंसिल हो सकता है। यह दावा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के हवाले से पाकिस्तानी वेबसाइट 'पाकिस्तान क्रिकेट' ने किया है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि एशिया कप कैंसिल होने के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड पांच देशों के टूर्नामेंट का आयोजन कर सकता है। इसमें पाकिस्तान को छोड़कर एशिया की अन्य सभी टीमें हिस्सा ले सकती हैं। एशिया कप कैंसिल हो सकने की खबर आने के बाद भास्कर संवाददाता ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से इस मसले पर बात की। ढउइ के एक अधिकारी ने इस खबर को अफवाह बताया है। उन्होंने कहा कि इस पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। आईसीसी के कैलेंडर में 2023 में होने वाले एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को दी गई है। इउउक ने कैलेंडर जारी होते ही यह साफ कर दिया था कि भारतीय टीम खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। इउउक ने एशिया कप किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने को कहा था, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नहीं माना, क्योंकि अपनी बिगड़ी हुई आर्थिक स्थिति संवारने के लिए उसे एशिया कप से ही उम्मीद है। हालांकि पाकिस्तान ने टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल पर कराने का प्रस्ताव भी दिया है। इसके मुताबिक भारत के मैच बाहर करा दिए जाएंगे और बाकी टूर्नामेंट पाकिस्तान में होगा। भारत अगर फाइनल में पहुंचता है तो फाइनल भी पाकिस्तान के बाहर होगा।

यूजर्स ने भारतीय कानून या वॉट्सएप के नियमों का किया उल्लंघन

नियमों की अनदेखी पर वॉट्सएप ने मार्च में बैन किए 47 लाख अकाउंट

नई दिल्ली। वॉट्सएप ने मार्च 2023 में यूजर्स की शिकायतों और नियमों के आधार पर भारत में 47 लाख से ज्यादा अकाउंट को बैन कर दिया है। वॉट्सऐप की मंथली रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी ने 1 मार्च से 31 मार्च 2023 के बीच वॉट्सऐप ने 4,715,906 भारतीय यूजर्स के अकाउंट पर प्रतिबंध लगाया है। इन अकाउंट्स को भारतीय कानून और वॉट्सऐप के नियमों का उल्लंघन करने पर बैन किया गया है। रिपोर्ट्स से यह भी पता चला है कि वॉट्सऐप को 4,720 शिकायतें मिली थीं। इनमें से 4,316 शिकायत में अकाउंट बैन करने की अपील की थी, लेकिन वॉट्सऐप ने केवल 585 के खिलाफ कार्रवाई की है। इससे पहले फरवरी में वॉट्सऐप ने 46 लाख भारतीय यूजर्स पर प्रतिबंध लगाया था। इससे पहले जनवरी में 29 लाख अकाउंट, दिसंबर में 36 लाख अकाउंट और नवंबर में 37 लाख अकाउंट बैन किए थे। कंपनी के मुताबिक अगर कोई गैर-कानूनी, अश्लील, मानहानि से जुड़ा, धमकाने, डराने या परेशान करने, नफरत फैलाने या फिर किसी को उकसाने वाला कंटेंट अपने वॉट्सऐप पर शेयर करता है, तो उसका अकाउंट बैन कर दिया जाता है। इसके अलावा अगर कोई यूजर कंपनी के नियम और शर्तों का उल्लंघन करता है, तो भी उसका अकाउंट बैन किया जा सकता है। इससे पहले पिछले हफ्ते वॉट्सऐप ने एक बड़ा बदलाव किया है। अब यूजर्स एक ही अकाउंट को एक साथ 4 फोन में इस्तेमाल (लॉग-इन) कर सकेंगे।

कंपनी के सीईओ ने एक इंटरव्यू में किया खुलासा

टेक कंपनी इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स कॉर्प अगले पांच सालों में कर सकती है बड़ी छटनी

नई दिल्ली। टेक कंपनी इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स कॉर्प (आईबीएम) हायरिंग रोककर जॉब डेवलप करने की योजना बना रही है। कंपनी के सीईओ अरविंद कृष्णा ने ब्लूमबर्ग को दिए एक इंटरव्यू में कंपनी के प्लान का खुलासा किया है। अरविंद ने कहा कि आने वाले सालों में कंपनी में हायरिंग रोककर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जॉब्स रिप्लेस होने की उम्मीद है। इससे मुख्य रूप से ह्यूमन रिसोर्सेज और एडमिनिस्ट्रेशन के जैसे बैक-ऑफिस फंक्शन वाले एम्पलॉइज प्रभावित होंगे। अरविंद ने कहा कि, 'अभी कंपनी में नॉन कस्टमर फेसिंग रोल में लगभग 26,000 वर्कर्स हैं। मैं अगले 5 साल में अक और ऑटोमेशन से 30% एम्प्लॉइज को रिप्लेस होते हुए देख रहा हूं।' इसका मतलब क्व्ट लगभग 7800 एम्प्लॉइज को अक से रिप्लेस कर सकता है। आईबीएम में अभी लगभग 2.6 लाख एम्प्लॉइज हैं। कंपनी लगातार सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और कस्टमर फेसिंग रोल्स के लिए एम्प्लॉइज को अपॉइंट कर रही है। वहीं, अरविंद कृष्णा ने बताया है कि इस फाइनेंशियल ईयर की पहली तिमाही में कंपनी में लगभग 7000 लोगों को अपॉइंट किया गया है। आईबीएम ने साल के पहले महीने जनवरी में अपनी टोटल ग्लोबल वर्क फोर्स में से 3,900 एम्प्लॉइज को निकाल दिया था।

WEF की रिपोर्ट में खुलासा

5 साल में दुनिया में खत्म होंगी 1.40 करोड़ नौकरियां डिजिटल कॉमर्स, शिक्षा और कृषि में मौके बढ़ेंगे

वॉशिंगटन। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2023 के अनुसार, अगले 5 साल में दुनिया भर में 8 करोड़ 30 लाख नौकरियां खत्म हो जाएंगी और 6 करोड़ 90 लाख नई नौकरियां तैयार होंगी। यानी आज के मुकाबले 2027 तक 1.40 करोड़ नौकरियां कम हो जाएंगी। आने वाले 5 सालों में डिजिटल कॉमर्स, एजुकेशन और कृषि के क्षेत्र में रोजगार के मौके तेजी से बढ़ेंगे, जबकि ऐसे काम जिनमें ज्यादा शारीरिक मेहनत की जरूरत पड़ती है वे या तो अक के जरिए किए जाएंगे या फिर रोबोट के जरिए ऑटोमेशन से होंगे। दुनिया में 23% और भारत में 22% नौकरियों में बदलाव होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, पर्यावरण को बचाने के लिए गैरपारंपरिक ऊर्जा पर आधारित रोजगार बढ़ेंगे, जबकि सप्लाई चेन का लोकलाइजेशन होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने यह रिपोर्ट दुनियाभर की 803 कंपनियों पर सर्वे करने के बाद तैयार की है। इसमें कहा गया है कि जैसा कि समझा जा रहा है कि बढ़ती तकनीक की वजह से नौकरियां जाएंगी। यह पूरा सच नहीं है। नौकरियों की संख्या में कमी होने की और भी कई वजहें हैं। इनमें एक बड़ी वजह कौशल की कमी है। नई तरह की नौकरियों में नए स्किल्स की जरूरत है। इसके लिए तैयारी नहीं है। कर्मचारियों को नौकरियों की जरूरत के अनुसार तैयार होने में समय लगेगा। यह वजह है कि बेरोजगारी और कामगारों की कमी एक साथ देखने को मिल रही है। अगले 5 साल में भी यह हाल बने रहेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि 44% कर्मचारियों को रोजगार में बने रहने के लिए अपनी स्किल बढ़ानी होगी।

शिक्षा विभाग में करोड़ों का घोटाला, शासन कार्यवाही करने मे कर रहा गुरेज

शांतनु मिश्रा ◈ शहडोल

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय शहडोल में इन दिनों करोडो की खरीदी नियम विरुद्ध तरीके से की गई है परन्तु शाशन द्वारा लगातार खबरों के माध्यम से जानकारी प्राप्त होने के पश्चात भी कार्यवाही ना करना कही ना कही लापरवाही को सिद्ध कर रहा है या फिर यूँ कहे की करोडो की नियम विरुद्ध खरीदी मे कही ना कही सरकारी बाबुओ का भी स्वार्थ सिद्ध हुआ है तभी तो इतने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार पर शाशन की नजर ना पड़ना या फिर किसी भी प्रकार की हरकत ना होना हजारों सवाल के साथ दोषियों को खुली छूट प्रदान करने के बराबर है।

बंद मॉडल की बड़े पैमाने पर खरीदी :-

इन दिनों प्रदेश सरकार द्वारा अपने प्रदेश मे चिन्हित स्कूलों को स्मार्ट क्लास के रूप मे सजोने के लिये और अपने भांजे भांजीयो को स्मार्ट बनाने के लिये बड़े पैमाने पर जेम पोर्टल से शाशकीय दर पर स्मार्ट क्लास की सामग्री खरीदी करवाई गई है जिसमे से शहडोल जिला भी चिंन्हित स्कूलों की श्रेणी मे आता है परन्तु यहाँ पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा अपने आधीन ऐसे ऐसे मॉडल की खरीदी करवाई गई है जो या तो बंद हो चुके है या फिर अपडेटेड वर्जन के रूप मे मार्केट मे है जिसके लिये हमारे द्वारा पूर्व मे एक खबर के माध्यम से आपको जानकारी दी गई थी आइये आज एक और मॉडल की जानकारी आप सभी के सामने प्रस्तुत करते है जो की मार्केट मे वर्षो पहले बंद हो चुका है। आईये आप सभी के सामने एक और बंद सामग्री का खुलासा करते है जो इनके द्वारा एक बड़े पैमाने पर खरीदी की गई है ।

(ऐसर ए एमड़ी राइसन 3 5300जी 8जीबी /1000जीबी विंडो 11प्रोफेशनल)

जिला शिक्षा अधिकारी के साथ वर्तमान सहायक परियोजना समन्वयक,अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक रमसा के साथ लेखापाल के पद पर पदस्थ अरविन्द पाण्डेय और अनाधिकृत रूप से कार्यालय मे आपरेटर के पद पर पदस्थ श्री मिश्रा द्वारा शाशन के जेम पोर्टल से 400 नग इस सामग्री की खरीदी की गई है साथ ही इसका मूल्य 41,190 रु दशार्या गया है जबकि हमारे द्वारा जब इसकी पड़ताल की गई तो पता चला की इसका मॉडल ही बंद हो चुका है और कंपनी द्वारा इसका अपडेटेड वर्जन मार्केट मे लाया गया है जिसकी वास्तविक कीमत 34,500रु है तो अब आप इसी बात से अंदाजा लगा सकते है की जिस सामग्री का कंपनी द्वारा ही प्रोडक्शन कुछ कारणों से बंद कर दिया गया है उसको इनके द्वारा इतने बड़े पैमाने पर खरीद गया है तो अन्य खरीदी मे ना जाने कितने का घोटाला सामने आ जायेगा। जिला प्रशासन से अनुरोध है कि इस मामले को तत्काल संज्ञान में लेकर जांच कराकर दोषियों को दंडित किया जाय। कार्यवाही नही होने पर शपथ पत्र के साथ शिकायत केन्द्रीय सतर्कता आयोग, राज्य आर्थिक अपराध बयूरो,लोकायुक्त को शिकायत की जाएगी।

अपराधियों पर पुलिस का शिकंजा

शांतनु मिश्रा ◈ शहडोल

शहडोल में 44 गुंडे और 28 निगरानी बदमाशों की खोली कुंडली

मध्यप्रदेश में पुलिस का इकबाल तभी बुलंद होता है, जब अपराध और अपराधियों में वर्दी का खौफ दिखे। जैसा भी हो शहडोल पुलिस का इन दिनों अपराध की दुनिया में खौफ दिखाई दे रहा है। शहड़ोल एसपी ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों, पेशेवर अपराधियों, माफियाओं के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार करते हुए।उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के लिए समस्त थाना प्रभारियों और राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया है। जिसका नतीजा शहडोल पुलिस 44 गुंडे और 28 निगरानी बदमासों की कुंडली खोली है।सभी थाना प्रभारियों ने क्षेत्र के सक्रिय गुंडा बदमाशों को चिहिंत करके उनका गुंडा फाइल और निगरानी खोलने हेतु पुलिस अधीक्षक शहडोल के समक्ष प्रस्तुत किया। जिनका अवलोकन करने के उपरांत पुलिस अधीक्षक की अनुमति से गुंडा और निगरानी

फाइल खोली गई। अभियान के दौरान शहडोल पुलिस ने नई 44 गुंडा फाइलें और 28 निगरानी खोली गई हैं। इन बदमाशों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। पुलिस ने गुंडे और आपराधिक तत्वों के ऊपर नकेल कसी जा रही है। उक्त कार्रवाई लगातार जारी है।

अमरकंटक तथा अनूपपुर नगरीय निकाय को मई माह हेतु गेहूं एवं चावल का आवंटन

अनूपपुर। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजनान्तर्गत माह मई 2023 हेतु गेहूं 24 क्विंटल व चावल 6 क्विंटल कुल 30 क्विंटल खाद्यान्न का आवंटन जिले को उपलब्ध कराया गया है। जिसमें से जिला आपूर्ति अधिकारी अनूपपुर ने नगर परिषद अमरकंटक के उचित मूल्य दुकान अमरकंटक वार्ड 08 से 15 को गेहूं 20 क्विंटल तथा चावल 5 क्विंटल एवं नगरपालिका अनूपपुर के उचित मूल्य दुकान अनूपपुर वार्ड 11 से 13 को गेहूं 4 क्विंटल तथा चावल 01 क्विंटल आवंटित किया है। योजनान्तर्गत गेहूं व चावल का प्रदाय एक रुपये प्रति कि.ग्रा. की दर से किया जाएगा।

निधि राठौर को मिला लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में चलाई जा रही लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ सभी पात्र बेटियों को मिल रहा है। इसी तारतम्य में अनूपपुर जिले की निधि राठौर को लाड़ली लक्ष्मी योजना का लाभ मिला है। निधि राठौर का कहना है कि इस योजना का लाभ मिल जाने से मुझे पढ़ाई सहित अन्य कार्यों में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है और मुझे माता-पिता के जैसे ही लाड़ली लक्ष्मी योजना का सहारा मिल रहा है। उनका कहना है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना, मध्य प्रदेश सरकार की एक योजना है, जिसका लक्ष्य एक लड़की के जन्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना और शैक्षिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के माध्यम से लड़कियों के भविष्य की दृढ़ नींव रखना है, इसके लिए उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति व्यक्त किया

बीते 24 घंटे में जिले में 30.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

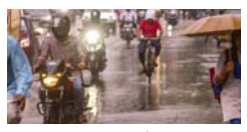

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 30.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर में 35.2, कोतमा में 40.2, बिजुरी में 75.4, जैतहरी में 20, वेंकटनगर में 16.7, पुष्पराजगढ़ में 13, अमरकंटक में 36.2 तथा बेनीबारी में 8.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

राजस्व सेवाओं का लाभ नागरिकों को सरल रूप में प्राप्त हो: कलेक्टर

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण प्लान बनाकर करने के दिए गए निर्देश

बेहतर राजस्व सेवाएं प्रदान करने के लिए राजस्व अमला कार्य के तरीके में आवश्यक बदलाव लाए जिससे नागरिकों को राजस्व सेवाओं का लाभ सरल रूप में प्राप्त हो सके उक्त आशय के निर्देश कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने सोमवार को कलक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में राजस्व अधिकारियों की बैठक में दिए बैठक में अपर कलेक्टर श्री जेपी धुर्वे अनुविभागीय दंडाधिकारीओं, तहसीलदारों सहित राजस्व अधिकारीगण उपस्थित थे बैठक में कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान के द्वितीय चरण के तहत चालू खसरा खतौनी की प्रतिलिपियों का प्रदाय चालू नक्शा की प्रतिलिपि के प्रदाय आविवादित नामांतरण आविवादित बंटवारा स्थानीय निवास, आय, जाति व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को आय एवं संपत्ति प्रमाण

पत्र प्रदान करने के कार्य को प्लानिंग करके अभियान अंतर्गत राजस्व सेवाओं के शत प्रतिशत प्रदाय करने के संबंध में निर्देशित किया गया। उन्होंने लंबित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों को प्रकरणों का निराकरण अभियान मोड में करने तथा राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों का निराकरण भी सुनिश्चित करने को कहा बैठक में आरसीएमएस पोर्टल में प्रदर्शित लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई बैठक में मुख्यमंत्री नगरीय भू अधिकार योजना के तहत पात्र लोगों को लाभान्वित करने के लिए लोगों से संपर्क करने शिविर आयोजित कर योजना की जानकारी का प्रचार-प्रसार करते हुए आवेदन प्राप्त करने तथा पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने मुख्यमंत्री आवासीय अधिकार योजना के तहत पात्र आवेदकों को लाभान्वित करने तथा मौके पर लेआउट करने के साथ ही प्रमाण पत्र दिए जाने के निर्देश के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में पीएम, सीएम किसान सम्मान निधि के लंबित ईकेवाईसी तथा किसानों के भौतिक सत्यापन के कार्रवाई को विशेष ध्यान देकर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। तो इस संबंध में रिपोर्ट जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया बैठक में स्वामित्व योजना तथा कृषि संगणना के लंबित कार्यों को पूर्ण करने, नक्शा तरमीम, अनुपयोगी जर्जर कुएं, बाबडी को बंद कराने की कार्रवाई, लंबित एनओसी के संबंध में भी समीक्षा कर निर्देश दिए गए बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों को असमय बारिश से फसलों तथा मकान क्षति का आकलन कर प्रकरण तैयार करने तथा नुकसान का मुआवजा वितरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत के तहत कोई प्रकरण लंबित न रहे यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने जिले में नवीन स्वीकृत स्वास्थ्य केंद्रों के लिए भूमि का आवंटन तथा अन्य विशयक निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए।

डॉक्टारों की हड़ताल, आयुष व निजी चिकित्सकों के साथ सीएचओ की चिकित्सालयों में की गई तैनाती

अनूपपुर। हड़ताल पर बैठे सरकारी अस्पताल के डॉक्टर गण सुरक्षा की दृष्टि को ध्यान में रखते हुए डॉक्टरों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन बताई जा रही कि यह हड़ताल अनिश्चित कालीन तक जारी रहेगी जब तक इनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान का द्वितीय चरण 10 से 25 मई तक

नागरिक सेवाओं के लंबित आवेदनों का होगा निराकरण, कलेक्टर ने आवश्यक तैयारियों के संबंध में दिए निर्देश

फतवा समाचार ◈ अनूपपुर

मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के तहत 10 से 25 मई तक द्वितीय चरण का अभियान चलाया जाएगा। जिसमें जिले के नागरिक सेवाओं के लंबित आवेदनों का निराकरण तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाईन में दर्ज लंबित शिकायतों के शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित टीएल बैठक में दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री जे.पी. धुर्वे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभय सिंह ओहरिया, एसडीएम, तहसीलदार, सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने द्वितीय चरण के अभियान में लक्षित 67 तरह की सेवाओं का लाभ प्रदान करने की कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। लाडली लक्ष्मी योजना के तहत 2 मई को कार्यक्रम का आयोजन जिला, जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर करने तथा जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों को आमंत्रित करने के निर्देष दिए हैं। बैठक में लाडली बहना योजना योजना के तहत पंजीकृत आवेदकों के विरूद्ध प्राप्त आपत्तियों का निराकरण कर ऑनलाईन फीडिंग के निर्देश देते हुए अधिकारियों को मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने को कहा है। बैठक में खुले बोरवेल तथा खुले बावड़ियों को बंद करने की कार्यवाही की

रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। रबी सीजन के तहत उपार्जन केन्द्रों में खरीदी के स्लॉट बुकिंग हेतु किसानों को स्लॉट बुकिंग कराने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर शासन को तत्काल भेजने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में कलेक्टर ने मध्यप्रदेश शहरी विकास निगम के द्वारा किए जा रहे नल-जल योजनाओं के कार्यों की मॉनीटरिंग करने के निर्देश अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को दिए हैं। बैठक में नगरीय निकायों के कायाकल्प के तहत सड़क निर्माण की राशि का सदुपयोग सुनिष्चित करते हुए 15 जून तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयरन टेबलेट वितरण प्रत्येक विद्यार्थियों को सुनिश्चित करने तथा बच्चों को प्रदाय आयरन टेबलेट वितरण कार्य के संबंध में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टरों का दिन निर्धारित कर उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा एनआरसी में बच्चों की भर्ती सुनिश्चित करने तथा जिलेभर के स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश?यक व्यवस्थाओं के संबंध में तथा डिलेवरी प्वाईंट को एक्टिव करने के संबंध में निर्देशित किया। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत जिलेभर के अति जर्जर चिन्हित भवनों के डिस्मेंटल की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देष दिए गए।

उमरिया की बेटी सोनम का जूनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप के लिए चयन

फतवा समाचार ◈ उमरिया

जिले से कई हाकी प्लेयर ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल कर जिले का नाम रोशन किया है। 4 मई से 14 मई तक ओडिशा के राउलकेला में खेले जाने वाले सब जूनियर नेशनल हाकी चैंपियनशिप के लिए मध्यप्रदेश से जिन 18 खिलाड़ियों का चयन हुआ है उसमे से एक नाम उमरिया की बेटी सोनम सोंधिया भी शामिल हैं। सोनम जिले की पहली महिला हाकी खिलाड़ी हैं जिसका चैंपियनशिप के लिए चयनित हुआ है। 16 वर्षीय सोनम चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए अपने कोच प्रवीण पसेरिया के साथ ओडिशा रवाना हो चुकी है।

लगन से मिली सफलता : सोनम का रूझान शुरू से ही हाकी खेलने में रहा है जिसकी वजह से उसे यह सफलता मिली है। इस बारे में नईदुनिया से चर्चा करते हुए सोनम के कोच प्रवीण पसेरिया ने बताया कि इस सफलता के लिए सोनम ने कड़ी मेहनत की है। उन्होंने इटारसी में हुए सलेक्सन ट्रायल में हिस्सा लिया और उन्हें यहां सफलता मिल गई। यह सलेक्सन ट्रायल पिछले महीने 7, 8, 9 अप्रैल को हुआ था। ट्रायल सलेक्सन के दौरान सोनम ने अपने खेल से सलेक्टरों को प्रभावित कर लिया और उसका जूनियर नेशनल हाकी टीम में चयन हो गया ओड़िसा के राउलकेला में होने वाले नेशनल जूनियर हाकी चेंपियनशिप में शामिल होने एमपी की टीम जबलपुर से रवाना हो चुकी है जिसमें सोनम भी शामिल हैं। सोनम जब महज दो महीने की थी तभी उसकी मां बेला बाई की मौत हो गई थी। बिना मां की सोनम को पालने के लिए पिता सोम कुमार सोंधिया के सामने समस्या उत्पन्न हो गई लेकिन इस समस्या का समाधान उनके संयुक्त परिवार ने कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. नं 19 जिंसी जहांगीराबाद, भोपाल,मप्र, मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 9 , जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संवादक-डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो -9893798715